मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 190
शनिवार, 25 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में आयुध फैक्टरी में बड़ा धमाका, 8 कर्मचारियों की मौत

मुंबई, 24 जनवरी। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के जवाहर नगर इलाके में आज सुबह आयुध कारखाने में विस्फोट होने से 8 व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य फंस गए। अग्निशमन कर्मियों और एम्बुलेंस सहित बचाव दल को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। विस्फोट के कारण फैक्ट्री की छत ढह गई और अर्थमूवर्स फिलहाल मलबा हटाने का काम कर रहे हैं। भंडारा जिला कलेक्टर संजय कोलटे के अनुसार, कई लोग फंसे हुए हैं, अब तक कुल चौदह लोगों को बचाया जा चुका है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि भंडारा में ऑर्डनेंस फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग घायल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया कि महाराष्ट्र के भंडारा में आयुध फैक्ट्री में विस्फोट के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। बचाव दल घटनास्थल पर तैनात हैं। प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के सीएम देवेन्द्र फड़णवीस ने कुछ देर पहले कहा कि भंडारा जिले की ऑर्डनैस फैक्ट्री में हुए विस्फोट में छत गिरने से 13 से 14 मजदूरों के फंसने की खबर है। अभी तक मिली शुरूआती जानकारी के मुताबिक दुर्भाग्यवश एक मजदूर की मौत हो गई है। 5 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मौके पर हैं और हर तरह की मदद मुहैया करायी जा रही है. बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और नागपुर नगर निगम की टीमों को भी बुलाया गया है और वे जल्द ही पहुंच जाएंगी। जिला प्रशासन रक्षा बलों के साथ समन्वय में बचाव कार्यों में शामिल है। चिकित्सा सहायता के लिए टीमों को भी तैयार रखा गया है। मैं उस व्यक्ति को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिसने इस घटना में अपनी जान गंवाई है।

दिल्ली चुनाव में स्टंप और क्लीन बोल्ड हो जाएंगे अरविंद केजरीवाल: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 24 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को भविष्यवाणी की कि दिल्ली के लोग राजधानी में 5 फरवरी के विधानसभा चुनाव में अपने पूर्व मुख्यमंत्री, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को स्टम्प और क्लीन बोल्ड करेंगे। अनुराग ठाकुर ने दिल्ली में अपनी पार्टी के लिए प्रचार करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल 'स्टम्प्ड' और 'क्लीन बोल्ड' होने जा रहे हैं क्योंकि लोगों को साफ पीने का पानी, साफ हवा और साफ यमुना चाहिए। ठाकुर पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री हैं और उन्होंने एक बार अपने राज्य हिमाचल प्रदेश के लिए क्रिकेट खेला था। वह देश में खेल की नियामक संस्था, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। इस बीच, भाजपा नेता ने आप को 'आपदा' भी कहा, यह शब्द खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था। आतिशी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 'आपदा' के लोग महिला विरोधी हैं और वे दिल्ली की महिलाओं को धोखा देते हैं। यहां तक कि मौजूदा मुख्यमंत्री के होर्डिंग्स में भी कोई जगह नहीं है। आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने पिछले साल सितंबर में अरविंद केजरीवाल के आश्चर्यजनक इस्तीफे के बाद उनकी जगह ली थी। इसके अलावा, ठाकुर ने सवाल किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पंजाब पुलिस के संरक्षण में कैसे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पूछा उनका नाम पंजाब की + सुरक्षा श्रेणी में क्यों है, जबकि वह सीएम नहीं हैं और न ही उनके पास पंजाब में कोई पद है? दिल्ली में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच दोतरफा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

बीजेपी पर अरविंद केजरीवाल का बड़ा आरोप, वोट खरीदने के लिए पैसे का हो रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनावी प्रचार के बीच आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और उसके नेताओं पर बड़ा आरोप लगाया है। केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा कि दिल्ली के ये चुनाव अलग हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के डेढ़ महीने पहले से ही पैसे, जूते, बेडशीट, साड़ियां, राशन, सोने की चेन का खुला वितरण शुरू हो गया। किसी को भी चुनाव आयोग का डर नहीं है कि कोई रोकेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह वितरण पुलिस सुरक्षा में किया जा रहा है।

केजरीवाल ने कहा कि ये हमारे देश के लिए बहुत खतरनाक है। यह वितरण सरकारी पैसे से नहीं किया जा रहा है। इसे 'गाली-गलोच' पार्टी के कुछ नेता बांट रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि उनके पास इतना पैसा कहां से आया? वोट खरीदने के लिए पैसे का इस्तेमाल किया जा रहा है? यह उनके भ्रष्टाचार का पैसा है जो उन्होंने देश को लूटकर कमाया है। आप नेता ने कहा कि वे जो भी बांट रहे हैं उसे स्वीकार करें लेकिन एक बात याद रखें, अपना वोट न बेचें। जिसे चाहें वोट दें लेकिन उन्हें नहीं जो आपके वोट खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि वे भ्रष्ट हैं। वे देशद्रोही हैं। ये देश के दुश्मन हैं। ऐसे लोग देश के लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और देश के लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। इससे पहले अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को वापस बुलाए जाने के एक दिन बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने शुक्रवार को इसे शुद्ध राजनीति करार दिया। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे खेद है कि व्यक्तिगत सुरक्षा का राजनीतिकरण किया गया है। इससे पहले आप प्रमुख द्वारा यह आरोप लगाया गया था कि पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आदेश पर विपक्षी उम्मीदवार के समर्थकों को बृहस्पतिवार को उनकी कार पर हमला करने दिया था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इस दावे को खारिज कर दिया।

बलिया में कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में तीन की मौत, दो अन्य गंभीर रूप से घायल

बलिया (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के बलिया बांसडीह मार्ग पर बृहस्पतिवार की रात्रि मोटरसाइकिल और टेंपो की आमने-सामने की टक्कर हो गयी, जिसमें मोटरसाइकिल सवार शुभम सोनी (25), मनीष जायसवाल (23) तथा लव जायसवाल (22) के साथ ही टेंपो चालक शिवम वर्मा (26) गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद मौके पर पहुचीं पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां डाक्टरों ने शुभम सोनी व शिवम वर्मा को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य युवक मनीष एवं लव को गंभीर हालत में वाराणसी ले जाया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अखिलेश पांडेय ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के बांसडीह सहतवार मार्ग पर दरांव गांव के समीप बृहस्पतिवार की रात्रि कोहरे के कारण एक टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें टेम्पो चालक मोहित राजभर (25) की टेम्पो के नीचे दबकर मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जगन रेड्डी के करीबी सहयोगी विजयसाई रेड्डी ने दिया राज्यसभा से इस्तीफा

नई दिल्ली। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख जगन रेड्डी के करीबी माने जाने वाले विजयसाई रेड्डी ने राजनीति छोड़ने और राज्यसभा से इस्तीफा देने का फैसला किया है। विजयसाई रेड्डी वाईएसआरसीपी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। एक्स पर अपने लंबे पोस्ट में रेड्डी ने कहा कि मैं राजनीति छोड़ रहा हूं। मैं कल 25 तारीख को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होऊंगा। मैं किसी अन्य पद, लाभ की उम्मीद में इस्तीफा नहीं दूंगा। मैं वाईएस परिवार का आभारी हूं, जिन्होंने चार दशकों और तीन पीढ़ियों तक मुझ पर विश्वास किया और मेरा समर्थन किया मुझे अवसर देने के लिए दो बार राज्यसभा सदस्य बनने और मुझे इतने ऊंचे स्तर तक ले जाने के लिए मैं जगन गारू को शुभकामनाएं देता हूं। संसदीय दल के नेता के रूप में राज्यसभा में फ्लोर लीडर के रूप में, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में, मैंने पार्टी और राज्य के हितों के लिए ईमानदारी से और अथक परिश्रम किया है। मैंने केंद्र और राज्य के बीच एक सेतु का काम किया है. लगभग नौ वर्षों तक मुझे प्रोत्साहित करने, मुझे अपार शक्ति और साहस देने और तेलुगु राज्यों में मुझे पहचान दिलाने के लिए प्रधान मंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को विशेष धन्यवाद। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि टीडीपी के साथ उनके राजनीतिक मतभेद हैं।

सड़क किनारे खड़ी ट्रक में आग लगी, दो लोग जिंदा जले

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में शुक्रवार सुबह आग लगने से वाहन में सवार चालक और उसका सहायक जिंदा जल गए। भोजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राज के अनुसार, ट्रक चालक और उसके सहायक ने अपना 18 पहिया वाहन सड़क किनारे खड़ा किया था और तभी उन्हें झपकी लग गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान ट्रक में कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई और दोनों जिंदा जल गए। एसपी के मुताबिक, मृतकों की पहचान चालक भीम सिंह (56) और सहायक विकास कुमार (20) के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी थे। उन्होंने बताया कि दोनों बृहस्पतिवार देर रात पश्चिम चंपारण जिले से लौटे थे और अपने ट्रक के भीतर ही सो गए थे। एसपी के अनुसार, भीम और विकास ने ट्रक के दरवाजे अंदर से बंद कर दिए थे और इस दौरान वाहन में संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। एसपी ने बताया कि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।

कला संवाद द्वारा प्रथम एक दिवसीय कला प्रदर्शनी आयोजित

◆ताज महल पैलेस की आर्ट गैलरी में 40 कलाकारों की विविध प्रतिभाओं का अनावरण

मुकेश मेहर

मुंबई। कला संवाद ने नए प्रयोग के तहत आयोजित प्रथम एक दिवसीय कला प्रदर्शनी में 40 प्रतिभाशाली कलाकारों की अविश्वसनीय कृतियों को प्रदर्शित की गई, ये कला प्रेमियों और संग्रहकताओं के लिए एक जीवंत और मनोरंजक अनुभव रहा। यह आयोजन कला संवाद द्वारा एवं श्री नंदू सरस्वती द्वारा क्यूरेट किया गया था। यह अनूठा कार्यक्रम ताज आर्ट गैलरी, ताज महल पैलेस, मुंबई में 24 जनवरी 2025 को, समयः सुबह 09.00 बजे से शाम 08.00 बजे तक आयोजित किया गया। महामहिम अलियाक्सांद्र मात्सुको (मुंबई में बेलारूस गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास) इसके मुख्य अतिथि थे और पद्मश्री प्रेमजीत बारिया (प्रख्यात कलाकार, दीव (डीएनएच, दमन और दीव)), पूर्व डीन वसंत सोनावणे (जे जे स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई), विभु राज कपूर (बियोंड आर्ट गैलरी) अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ सम्मानीय अतिथि थे जिन्होंने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कला संवाद के राजकुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कलाकारों और उनकी कृतियों को बढ़ावा देना है, जिससे उन्हें पहचान और प्रसिद्धि मिल सके। उन्होंने कहा कि आगंतुकों को भी पेंटिंग, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, मिश्रित मीडिया और बहुत कुछ की शानदार श्रृंखला देखने का अवसर मिला, जो हर कला प्रेमी के लिए एक गतिशील अनुभव प्रदान करता है। जे जे स्कूल ऑफ आर्ट्स से ललित कला में मास्टर नंदू सरस्वती, जो विभिन्न कलात्मक शैलियों और माध्यमों को उजागर करने के लिए कला में एक नया युग शुरू करने के लिए तैयार हैं, समकालीन, अमूर्त और शास्त्रीय कला रूपों में कृतियाँ प्रस्तुत करेंगी।

इंडियाप्रेस के चेयरमैन जगदीश पी पुरोहित ने मुख्य अतिथि का शॉल पहनाकर स्वागत किया और उनकी पत्नी इरीना मात्सुकोउ को मुंबा देवी माताजी के मंदिर की चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन नए युग की नींव रखेंगे और कलाकारों का मनोबल बढ़ाएंगे। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं भी दीं। आयोजकों को बहुत बहुत शुभकामनाएँ। इस सभा को संबोधित करने वाले प्रमुख अतिथि श्री कमल जैन (प्रख्यात प्रिंट पत्रकार, मुंबई), श्री किशोर खाबिया जैन (सीएमडी, खाबिया ग्रुप, मुंबई), श्री गणपत कोठारी (सीएमडी, कोठारी ग्रुप, मुंबई) और अन्य थे। इस कार्यक्रम में देशभर के कलाकारों ने हिस्सा लिया जिनमें पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, पद्मश्री सुधारक ओल्वे , प्रो. पठारे ज्योत्सना विनोद, सुनील देवरे (बीएफए), दिलीप सुब्रमण्यन (एमएफए), मंशा प्रदीप (एमएफए), डॉ. योगेश पवार (एमएफए), राजू भुइकर (एमएफए), भावेश जाधव (एमएफए), विजया गुंजाळ (एमएफए), बल्लाल यादव (एमएफए), रमेश करमरकर (बीएफए), माधवी जोशी (बीएफए), इशिता (बीएफए), महादेव डी जाधव (बीएफए), सुषमा वालावलकर अदाते (बीएफए), प्रबोध गमरे (बीएफए), काशी नाथ बोस (बीएफए), श्रुति गोयंका (बीएफए), ज्योति मलिक (बीएफए), दिलीप माळी, दीपक बी पाटिल, आशा फड़तरे , संदीप गोरीवाले , दीपक बच्छव (पाटिल), संजय म्हात्रे , ध्रुति पांचाल, सुनील कुमार वर्मा , कीर्ति शेट्टी, लीना भगत , कबीर रमेश, अंकिता भटनागर , पुरूषोत्तम वधेर , हिमांशु सोनी , जेनसन जोसेफ, सर्वेश पाटिल, नितिन कुलकर्णी, प्राची पालसुले.

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय मतदाता दिवस – 25 जनवरी, 2025

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश में अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। छ्मतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैं जैसे नारों के साथ मतदाता दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतारूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है छ्वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम। ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन।

इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि छ्अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे। इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए हैं, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान के लिए कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतंत्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतंत्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ा एक और महत्त्वपूर्ण विमर्शनीय विषय है लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव, इसको लेकर एक सार्थक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया था। चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय-समय पर इस पर चर्चाएं होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान करते हुए यदि हम यह व्यवस्था लागू कर सके तो यह सोने में सुहागा होगा। जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी को रोकने, बार-बार चुनाव प्रक्रिया के होने जनता को होने वाली परेशानी और प्रशासनिक कार्य में होने वाली असुविधाओं को रोकने के लिए चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था निश्चित रूप से लोकतंत्र को एक नई ऊर्जा एवं नया परिवेश देगी। यदि इसके लिये कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो सचमुच यह देश, समाज और लोकतंत्र के हित में होगा। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिये बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ऐसा एक नया रास्ता बने जो लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने के लिये एक नया सूरज उदित करे और मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराये, तभी इस दिवस की सार्थकता एवं प्रासंगिकता है।

कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा की तरह यक्ष प्रश्न है कांग्रेस की इस हालत के जिम्मेदार कौन?

अशोक भाटिया

1977 के चुनावों के बाद, कांग्रेस विभाजित हो गई और दो कांग्रेस दल थे, इंदिरा कांग्रेस और रेड्डी कांग्रेस। मूल कांग्रेस रेड्डी कांग्रेस थी। बाद में, रेड्डी कांग्रेस का इंदिरा कांग्रेस में विलय हो गया। इसलिए यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आज राहुल और सोनिया की कांग्रेस इंदिरा कांग्रेस है। यह पार्टी उनकी निजी संपत्ति नहीं है। केवल गुलामों के लिए अवसर है। सरदार वल्लभभाई, राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, मोरारजी, नरसिम्हा राव, प्रणव दा का इस जगह में कोई स्थान नहीं है। जो चाटुकार हैं वही आज की कांग्रेस की वास्तविकता हैं। तो इस नई इमारत में एकमात्र जगह मनमोहन सिंह थे, वह भी एक कोने में। दूसरी ओर, राहुल बाबा, इस कांग्रेस नामक निजी संपत्ति के एकमात्र ट्रस्टी, किसी भी भारत विरोधी ताकतों के एजेंडे को चलाने में सक्षम हैं। और उन्होंने बांग्लादेश की तर्ज पर तख्तापलट के बाद अराजकता पैदा करने और खुद को प्रधानमंत्री बनाने का वादा किया है। वह इन दिवास्वप्नों को आगे बढ़ाने के लिए डीप स्टेट के प्रवक्ता बन गए हैं।

इस एजेंडे में पहला है यहां विभिन्न जातियों को विभाजित करना, यानी हिंदुओं को विभाजित करना और मुसलमानों और ईसाइयों को खलनायक बनाना। नंबर दो भारत के विकास का विरोध करना है। तीसरा राष्ट्र-विरोधी ताकतों को प्रोत्साहित करना है, चाहे वह खालिस्तान हो, नक्सलवाद हो या शहरी माओवादी हों। चौथा, अदालतें, पुलिस, सेना उन सभी के लिए एक नैतिक अहित है और उनके बारे में लोगों में अविश्वास पैदा करती है। यह उतना दुर्भाग्यपूर्ण नहीं है कि कांग्रेस और राहुल गांधी जैसा नेता देश में अराजकता का प्रतीक बन गया है। इंदिरा भवन में अपने भाषण में उन्होंने जो सितारे तोड़े हैं, वे एक माओवादी या अब प्रचलित डीप स्टेट प्रवक्ता के लिए उपयुक्त हैं। जब आरएसएस और भाजपा के साथ लड़ने की बात आती है, तो सबसे पहले यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह जॉर्ज सोरस और माओवादियों द्वारा प्रशिक्षित एक अत्यधिक जहरीले वैचारिक बच्चे पप्पू नहीं हैं।

इन सितारों के टूटने का अवसर इंदौर में मोहनजी भागवत का बयान था। वास्तव में, सरसंघचालक ने जो कहा वह एक निर्विवाद सत्य है। उनके भाषण में कहीं भी स्वतंत्रता या स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का कोई सवाल ही नहीं था। देश को आजादी मिली, यह किसी राजनीतिक दल की विरासत नहीं है। वह गुलामी का शिकार था। इस प्रकार इस तथ्य को मुखर करने में कोई गलती नहीं थी कि विदेशी गुलामी के कई प्रतीक एक स्वतंत्र देश में खड़े थे जिसने खून, पसीना और आँसू खो दिए थे, उनमें से एक बाबरी मस्जिद थी, जिसे राम मंदिर को नष्ट करके बनाया गया था। इसके लिए बहुत अधिक नैतिक अधिकार की आवश्यकता होती है। आपको निस्वार्थ होने का जीवन जीना होगा और इसे स्थापित करने के लिए अदम्य साहस चाहिए।

सोने का एक चम्मच लेकर पैदा हुए और हर दो महीने में विदेश यात्रा करके उपभोक्तावादी संस्कृति में रहते हुए, राहुल गांधी को संघ और संघ के नेतृत्व को समझने के लिए कुछ और जन्म लेने होंगे। अडानी के बहाने भारतीय अर्थव्यवस्था को धमकाने के लिए हिंडनबर्ग की झूठी रिपोर्ट का उपयोग करना देशद्रोह है। सरसंघ संचलाक मोहनजी भागवत जैसे देशभक्त इस देश के ज्योतिषी हैं। आप सरसंघचालक की बात कर सकते हैं क्योंकि स्वयंसेवक धैर्यवान होते हैं और संविधान के अनुसार व्यवहार करते हैं। लेकिन अगर आप ऐसी बात करते रहेंगे तो आपको राजनीति छोड़कर अदालत जाना पड़ेगा। राहुल गांधी को मोहन भागवत जी के भाषण में देशद्रोह दिखाई दिया। वह सरसंघचालक की गिरफ्तारी की बात करने लगे। टीम नेतृत्व को गिरफ्तार करने के लिए कहा गया है। उन्होंने टीम को खत्म करने की शपथ ली है। लेकिन दुर्भाग्य से उसके लिए, टीम समाप्त नहीं हुई है, यह बढ़ी है, यह बढ़ रही है और आज टीम के विचार का प्रभाव हर जगह है, टीम सामाजिक रूप से विविध हो रही है।

एक जिम्मेदार विपक्षी दल या सत्ता के लिए बेताब एक राजनीतिक समूह के रूप में, कांग्रेस के नेता वास्तव में खुद को क्या होते देखना चाहते हैं? लेकिन देश ने, देश की जनता ने आत्मनिर्भर भारत को विश्वगुरु के पद पर ले जाने का फैसला कर लिया है। समाज में अपनी विदेशी गुलामी के सभी निशान मिटा देने की आत्म-चेतना है। इसके लिए वो एक ऐसा लीडर ढूंढेगा या तैयार करेगा जो इन आकांक्षाओं को पूरा करे। एक जिम्मेदार विपक्ष और नेता होगा या फिर समाज में प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता को चुनने की क्षमता है। राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों का प्रवक्ता बनना बंद कर देना चाहिए।

कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा , यह सवाल कांग्रेस के लिए भी बार झ बार उभर कर सामने आता है कि आखिर देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस की दुर्गति का जिम्मेदार कौन है? कई जानकारों के अलावा अब पार्टी के भीतर भी इसके लिए गांधी परिवार को जिम्मेदार माना जा रहा है। यह निष्कर्ष सच तो है, किंतु यही पूरी सच्चाई नहीं। क्या इस संदर्भ में केवल गांधी परिवार को ही दोषारोपित करना उचित होगा? पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में हार के बाद सोनिया गांधी पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनी हुई हैं। राहुल गांधी परोक्ष रूप से पार्टी के निर्णायक फैसले ले रहे हैं। तमाम कोशिश के बावजूद प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति में कोई सुधार नहीं कर पाईं। वस्तुतः परिवारवाद कांग्रेस की समस्याओं की जड़ है तो उसके बीज भी पार्टी ने ही बोए थे। इसकी शुरूआत जवाहरलाल नेहरू के दौर में हो गई थी। परिणामस्वरूप विगत साढ़े सात दशकों में एकाध अपवाद को छोड़ दिया जाए तो कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर गांधी परिवार ही काबिज रहा है। इसमें पिछले ढाई दशकों के दौरान पार्टी की राजनीतिक जमीन खिसकती ही गई। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या नेतृत्व परिवर्तन से ही पार्टी का कायाकल्प संभव है?

हाल के वर्षों का राजनीतिक रुझान दशार्ता है कि जहां भी कांग्रेस तीसरे स्थान पर पहुंची, वहां वह दोबारा नहीं उभर पाई। दिल्ली इसका सबसे ताजा उदाहरण है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ ही अब दो ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस की अपने दम पर सरकार बची है। राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या सिमटकर 33 रह गई है। अपने आरंभिक काल में कांग्रेस में विविध विचारधारा वालों के लिए स्थान था। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, महामना मदनमोहन मालवीय, लाला लाजपत राय और गांधीजी, ये सभी भारत की सनातन संस्कृति से प्रेरणा पाते थे। गांधीजी की नृशंस हत्या के बाद जब कांग्रेस पर नेहरू का एकाधिकार हुआ, तो पार्टी के मूल सनातनी और बहुलतावादी चरित्र को धीरे-धीरे हाशिये पर धकेल दिया गया। इसमें रही-सही कसर इंदिरा गांधी ने पूरी कर दी। 1969 में जब कांग्रेस दो फाड़ हुई और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार अल्पमत में आई, तब संसद में उन्हें अपनी सरकार बचाने हेतु 41 सांसदों की आवश्यकता थी। इस कमी को वामपंथियों ने बाहरी समर्थन देकर पूरा किया। इंदिरा ने उन कम्युनिस्टों के सहारे अपनी सरकार बचाई, जिनका अपने उद्भव काल से एकमात्र एजेंडा भारत की सनातन संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली पर प्रहार करना रहा। अपने इसी दर्शन के कारण वामपंथियों ने 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में अंग्रेजों के लिए मुखबिरी की। गांधीजी, नेताजी आदि देशभक्तों को अपशब्द कहे। पाकिस्तान के जन्म में मुस्लिम लीग और अंग्रेजों के साथ मिलकर महती भूमिका निभाई। भारतीय स्वतंत्रता को अस्वीकार करके उसे 17 देशों का समूह माना। 1948 में भारतीय सेना के खिलाफ हैदराबाद के जिहादी रजाकरों के साथ, तो 1962 के भारत-चीन युद्ध में वैचारिक समानता के कारण चीन के पक्ष में खड़े रहे। इसके अतिरिक्त, 1967 में लोकतंत्र विरोधी नक्सलवाद को जन्म दिया। जब 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने प्रचंड बहुमत हासिल किया, तब तमाम वामपंथी न केवल कांग्रेस में शामिल हुए, बल्कि उन्हें शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए। इसी दौर में कांग्रेस ने अपनी मूल गांधीवादी विचारधारा को वामपंथियों को 'आउटसोर्स' कर दिया, जो अब भी उससे केंचुली की भांति चिपकी हुई है। कांग्रेस का सार्वजनिक-व्यवहार उस घिसे-पिटे वामपंथी व्याकरण से निर्धारित हो रहा है, जिसमें उसका भी कोई दृढ़ विश्वास नहीं है। कांग्रेस ऐसा केवल इसलिए करने को विवश है, क्योंकि विचारधारा के मामले में वह पहले ही शून्य हो चुकी है। मैकाले चश्मा पहनी कांग्रेस जाने-अनजाने में तभी से वामपंथियों के साथ मुस्लिम लीग के अधूरे एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। वह चाहे देश पर आपातकाल थोपना हो या शाहबानो मामले में मुस्लिम समाज में सुधार के प्रयासों को रोकना हो, परमाणु परीक्षण का विरोध करना हो या भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताना हो, उनमें कांग्रेस की हिंदू विरोधी और मुस्लिम तुष्टीकरण की मानसिकता प्रत्यक्ष होती है। मानो इतना ही काफी नहीं। 2005-2011 के बीच केवल हिंदुओं को लक्षित करता 'सांप्रदायिक एवं लक्ष्य केंद्रित हिंसा निवारण अधिनियम' लाया गया। जेएनयू परिसर में भारत विरोधी नारों का समर्थन करने से लेकर सेना की सर्जिकल स्ट्राइक पर संदेह किया गया। ऐसे अंतहीन उदाहरणों की सूची लंबी है।

यदि कांग्रेस के सिकुड़ते जनाधार के लिए केवल गांधी परिवार ही जिम्मेदार है, तो क्या यह सत्य नहीं कि कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे आदि ने 'हिंदू/भगवा आतंकवाद' का हौवा खड़ाकर वामपंथी एजेंडे के अनुरूप विमर्श नहीं गढ़ा था? क्या सर्वोच्च न्यायालय में राम मंदिर के खिलाफ पैरवी करने वालों में कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल नहीं थे? क्या स्वदेशी कोविड-19 रोधी टीके की दक्षता पर सवाल उठाने वालों में शशि थरूर जैसे कांग्रेस नेता अग्रणी नहीं थे? 'द कश्मीर फाइल्स' का विरोध करते हुए कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार को 'प्रोपेगंडा' और हत्याओं के आंकड़ों को 'फर्जी' बताने की शुरूआत क्या कांग्रेस की केरल इकाई ने नहीं की? मई 2014 में मिली करारी हार की पड़ताल के लिए गठित एके एंटनी समिति ने भी माना था कि पार्टी की छवि हिंदू विरोधी हो गई है। इसके बाद आधे-अधूरे मन से कांग्रेस ने अपनी इस गलती का सुधार बहुत भोंडेपन के साथ किया। एक ओर चुनाव प्रचार में पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी जनेऊ पहनकर मंदिर-मंदिर घूम कर स्वयं को सच्चा हिंदू स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। दूसरी ओर उनके कार्यकर्ताओं ने केरल में सरेआम गाय के बछड़े को मारा। स्वाभाविक है कि इससे पार्टी को न ही कोई वांछनीय फल मिला और न ही जनमानस प्रभावित हुआ।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है गौवंश !

-सुनील कुमार महला

भारत एक ऐसा देश है जहां गाय को माता का दर्जा दिया गया है। भारत विश्व का ऐसा देश है जहां पर दुनिया में सबसे अच्छी नस्ल वाला गौवंश पाया जाता है, लेकिन आज देश में गौवंश की जितनी दुर्दशा है, शायद किसी और की नहीं है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2024 में जनवरी माह में बैतूल में गोवंश से भरा एक ट्रक नाले में पलट गया, जिससे 19 गोवंश की मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार इन सभी को महाराष्ट्र के कतलखाने ले जाया जा रहा था। इसी प्रकार से दिसंबर 2024 में दमोह से गौवंश भरकर जबलपुर की ओर आ रहा एक ट्रक ग्राम बोरिया कटंगी में अनियंत्रित होकर पलट गया था और हादसे में कई गोवंशों की मौत हो गई थी। वहीं कई गायें घायल हो गई थी। हादसे के बाद चालक व परिचालक मौके से फरार हो गये थे। इसी तरह से गत दिनों दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस सड़क मार्ग पर गोवंश से भरे एक ट्रक की दूसरे वाहन से भिड़ंत हो गई और दोनों ट्रक पलट गए, जिसमें दो गोवंश की मौत हो गई। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पिछले 10 सालों में देश ने मछली और दूध उत्पादन में काफी तरक्की है और इन दोनों के उत्पादन में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल ही केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन (लल्लन सिंह) ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह कहा था कि 'देश में मवेशियों की संख्या भी बढ़ी है। खास कर गायों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। उनके मुताबिक, गाय की संख्या 19.09 करोड़ से बढ़कर अब 19.30 करोड़ हो गई है, लेकिन यह बहुत ही दुखद है कि आज देश के गौवंश की बहुत ही दुर्दशा देखने को मिल रही है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हमारे सनातन हिंदू धर्म में गोपाष्टमी पर्व को बेहद विशेष माना जाता है इस दिन भगवान कृष्ण और गौ माता की कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को पूजा का विधान है?। दीपावली पर हम गौवर्धन पूजा भी करते हैं, लेकिन यह बहुत ही दुखद है कि आज अधिकतर मामलों में गाय या तो भूख के कारण या दुर्घटनाओं में मारी जाती हैं या घायल हो जाती हैं अथवा लावारिश हालत में यत्र-तत्र घूमती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि युगों-युगों से भारतीय कृषि अर्थशास्त्र का मजबूत आधार स्तम्भ रहे गोवंश की दुर्दशा का मंजर विशेषकर आज शहरों व राजमार्गों पर देखा जा सकता है।आज सड़कों , गलियों, खेतों गौवंश आवारा और लावारिश घूमता है। हालांकि देश में आज अनेक गौशालाएं मौजूद हैं लेकिन आवारा गायें आज सड़कों पर दुर्घटना की शिकार हो रही हैं।गौशालाओं की दुर्दशा भी आज किसी से छिपी नहीं है।इनके पास पर्याप्त फंड का अभाव होता है। दानवीर, भामाशाह गायों की रक्षा के लिए आगे आते हैं लेकिन आमजन की भी तो कुछ जिम्मेदारियां बनतीं ही हैं।आज गौवंश के लिए खाने व पीने तक के लिए कोई व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। जब तक गाय दूध देती है तब तक लोग गाय को अपने घरों में रखते हैं और यह हमारे देश की विडंबना ही है कि दूध देना बंद करने के बाद लोग उन्हें लावारिश हालत में छोड़ देते हैं। यहां प्रश्न यह उठता है कि क्या गौवंश को बचाने की जिम्मेदारी सरकार, प्रशासन, पशुपालन विभाग की ही है? हमारी और हमारे समाज की कोई भी जिम्मेदारी नहीं है ? कहना गलत नहीं होगा कि गाय देश में हमेशा से ही एक संवेनदशील मुद्दा रहा है और इस पर राजनीति होती रही है। यह बहुत ही संवेदनशील और दुखद है कि आज हमारे देश में कहीं भी उन गायों के लिए कोई प्रवाधान नहीं है, जिन्हें बेसहारा या लावारिश यूं ही खुले में छोड़ दिया जाता है। नतीजन वे अक्सर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाती हैं, और या तो मारी जाती हैं अथवा विकलांग हो जाती हैं। लावारिश और आवारा गायें आज भूख से बिलखते हुए पालिथीन निगल लेतीं हैं, जिससे बहुत बार वे गंभीर रूप से बीमार हो जाती हैं। इससे बड़ी विडंबना और दुःख की बात और भला क्या हो सकती है कि आज इस मूक पशु के संरक्षण की जिम्मेदारी लेने को कोई भी तैयार नजर नहीं आते हैं। आज गाय सिर्फ और सिर्फ राजनीति के नारों में जरूर जिंदा है।गाय को भारत की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ माना जाता रहा है और आज भी यह देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हिन्दू धर्म में तो गाय के महत्व के कुछ आध्यात्मिक, धार्मिक और चिकित्सीय कारण भी रहे हैं। हिन्दू धर्म के अनुसार गाय में 33 कोटि देवी-देवता निवास करते हैं।स्वामी दयानन्द सरस्वती कहते हैं कि एक गाय अपने जीवनकाल में 4,10,440 मनुष्यों हेतु एक समय का भोजन जुटाती है। पाठकों को बताता चलूं कि पूरी संसद द्वारा गौवध बंदी करने का समर्थन करने पर भी प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 'यदि यह प्रस्ताव पास होता है, तो मैं प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र दे दूंगा।' कहना गलत नहीं होगा कि आज गौहत्या पर कानून को और अधिक सख्त बनाए जाने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि पंजाब केसरी महाराजा रणजीत सिंह ने अपने शासनकाल के दौरान राज्य में गौहत्या पर मृत्युदंड का कानून बनाया था। बहरहाल,वैज्ञानिक शोधों से यह पता चला है कि गाय में जितनी सकारात्मक ऊर्जा होती है उतनी किसी अन्य प्राणी में नहीं है। कहते हैं कि गाय की रीढ़ में स्थित सूर्यकेतु नाड़ी सर्वरोगनाशक, सर्वविषनाशक होती है। गाय एकमात्र ऐसा प्राणी है, जो ऑक्सीजन ग्रहण करता है और ऑक्सीजन ही छोड़ता है, ?जबकि मनुष्य सहित सभी प्राणी ऑक्सीजन लेते और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं। पेड़-पौधे इसका ठीक उल्टा करते हैं। इतना ही नहीं, देशी गाय के एक ग्राम गोबर में कम से कम 300 करोड़ जीवाणु होते हैं।एक तोला (10 ग्राम) गाय के घी से यज्ञ करने पर एक टन ऑक्सीजन बनती है।पंचगव्य का निर्माण गाय के दूध, दही, घी, मूत्र, गोबर द्वारा किया जाता है, जो कि कई रोगों में लाभदायक है। कहते हैं कि एक गाय बैल को मारना एक मनुष्य को मारने के समान है।गुरु गोविंदसिंहजी ने कहा था, ह्ययही देहु आज्ञा तुरुक को खापाऊं, गौ माता का दुःख सदा मैं मिटाऊं।'प्रसिद्ध मुस्लिम संत रसखान की इच्छा थी कि यदि पशु के रूप में मेरा जन्म हो तो मैं बाबा नंद की गायों के बीच में जन्म लूं। उन्होंने कहा था कि- 'जो पशु हों तो कहा बसु मेरो, चरों नित नंद की धेनु मंझारन।'महर्षि अरविंद ने कहा था कि गौ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की धात्री होने के कारण कामधेनु है। इसका अनिष्ट चिंतन ही पराभव का कारण है।पं. मदनमोहन मालवीय की अंतिम इच्छा थी कि भारतीय संविधान में सबसे पहली धारा सम्पूर्ण गौवंश हत्या निषेध की बने।गांधीजी ने कहा है कि 'गोवंश की रक्षा ईश्वर की सारी मूक सृष्टि की रक्षा करना है, भारत की सुख- समृद्धि गाय के साथ जुड़ी हुई है। गाय प्रसन्नता और उन्नति की जननी है, गाय कई प्रकार से अपनी जननी से भी श्रेष्ठ है।' बहरहाल, पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि गाय के गोबर से बायोगैस, गोबर गैस बनाई जा सकती है। गोबर गैस प्लांट के विभिन्न पर्यावरणीय फायदे हैं। यह भी एक तथ्य है कि एक प्लांट से करीब 7 करोड़ टन लकड़ी बचाई जा सकती है जिससे करीब साढ़े 3 करोड़ पेड़ों को जीवनदान दिया जा सकता है। साथ ही करीब 3 करोड़ टन उत्सर्जित कार्बन डाई ऑक्साइड को भी रोका जा सकता है। इतना ही नहीं,गौमूत्र और गोबर फसलों के लिए बहुत उपयोगी कीटनाशक सिद्ध हुए हैं। यह भी एक तथ्य है कि एक गाय का गोबर 7 एकड़ भूमि को खाद और मूत्र 100 एकड़ भूमि की फसल को कीटों से बचा सकता है। केवल 40 करोड़ गौवंश के गोबर व मूत्र से भारत में 84 लाख एकड़ भूमि को उपजाऊ बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, गौमूत्र में नाइट्रोजन, सल्फर, अमोनिया, कॉपर, लौह तत्व, यूरिक एसिड, यूरिया, फॉस्फेट, सोडियम, पोटैशियम, मैगनीज, कार्बोलिक एसिड, कैल्सियम, विटामिन ए, बी, डी, ई, एंजाइम, लैक्टोज, सल्फ्यूरिक अम्ल, हाइड्रॉक्साइड आदि मुख्य रूप से पाए जाते हैं। यूरिया मूत्रल, कीटाणुनाशक है। बहरहाल , कहना गलत नहीं होगा कि गौवंश को बचाने के लिए आज आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूरत बहुत ही अहम् है। गौवंश के संरक्षण के लिए आज जहां एक ओर चरागाह भूमियों का संरक्षण करने की जरूरत है, वहीं वन्य क्षेत्र के संरक्षण की भी जरूरत है। भामाशाहों को और अधिक गौशालाओं के निर्माण के लिए आगे आना होगा।गौवंशीय पशु अधिनियम 1995 के अंतर्गत 10 वर्ष तक का कारावास और 10,000 रुपए तक का जुमार्ना है, लेकिन कानून को और अधिक प्रभावी और सख्त बनाने की आवश्यकता है।गायों के संरक्षण के लिए एकमात्र उपाय यह है कि सबसे पहले हमें पुनः गौ-धन की उपयोगिता स्थापित करनी होगी। गौवंश संरक्षण के लिए गौशालाओं की स्थापना अच्छी बात है लेकिन वर्तमान परिदृश्य में हम गौ-धन संरक्षण के लिए पूर्णतः गौशाला पर निर्भर हो गये हैं, हमें इससे बाहर निकल कर पुख्ता कदम उठाने होंगे। हमें स्वयं गौवंश के लिए आगे आकर पहल करनी होगी। हमें देश में ऐसी व्यवस्थाओं को जन्म देना होगा,जिससे किसान पुनः गौ-पालन की ओर उन्मुख हो। गाय के दूध की महत्ता के बारे में भी जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। आज हमारी नई पीढ़ी आधुनिकता की चमक में अपने प्राचीन सभ्यता और संस्कारों को भूलती जा रही है। उन्हें हमारे हिन्दू धर्म के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान और कार्यक्रम आयोजित करने की जरूरत महत्ती है। हमें अपनी युवा पीढ़ी को यह बताने की जरूरत है कि गाय सिर्फ दूध देने वाला पशु नहीं है, बल्कि इसके पर्यावरण, स्वास्थ्य और आर्थिक फायदे बहुत हैं।आज देश में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (आरकेए) का गठन भारत सरकार द्वारा गायों और उनकी संतानों के संरक्षण, उनके पालन, सुरक्षा और विकास के लिए और पशु विकास कार्यक्रमों के लिए दिशा निर्देश देने के लिए किया गया है, लेकिन गौधन संरक्षण के लिए और अधिक पहलें करने की आवश्यकता है। गाय हमारे देश में युगों-युगों से पूजनीय व हमारी आस्था का बड़ा केंद्र रही है। प्रश्न यह उठता है कि क्या हम गाय जैसे सबसे पूजनीय और सम्मानित माने जाने वाले मूक जीव की ऐसी दुर्दशा देख सकते हैं ? हमारा देश तो वह देश रहा है जहां घर में बनने वाली पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए बनाई जाती रही है। जीवों के प्रति दया, करूणा का भाव हम सभी में रहा है लेकिन आज हमारी आंखों के सामने पढे-लिखे और कथित सभ्य लोग जीवों के प्रति हिंसा, अत्याचार करते हैं और हम एक तमाशबीन बनकर उसे चुपचाप देखते रहते हैं। हम इतने संवेदनहीन व स्वार्थी आखिर कैसे हो सकते हैं ? यह बहुत दुखद है कि आज ट्रकों में भर-भरकर गोवंश को तस्करी के लिए अवैध रूप से इधर-उधर ढ़ोया जाता है। कहने को तो गाय या अन्य किसी भी प्राणी के प्रति क्रूरता कानून में अपराध माना गया है, लेकिन सवाल यह है कि गौवंश के संरक्षण, संवर्धन के प्रति आखिर हमारी आवाज कब उठेगी ? गौवंश पर अत्याचार, बर्बरता, हिंसा, उन्हें खुले में लावारिश व आवारा छोड़ना आखिर कब रूकेगा ? अंत में, यही कहूंगा कि 'गौ माता' मातृत्व, उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक ही नहीं, भारतीय संस्कृति का मूलाधार तथा हमारे देश की कृषि और अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार स्तंभ भी है। अतः आइए ! हम गौवंश के संवर्धन और संरक्षण की दिशा में हर संभव व जरूरी कदम उठाए।

आज का आर्थिक रूप से गतिशील भारत मनमोहन सिंह की विरासत है

डा. मनमोहन सिंह के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाना मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात है, वे सबसे महान व्यक्ति हैं जिन्हें जानने का सौभाग्य मुझे मिला है। एक लोक सेवक के रूप में सिंह की उपलब्धियां मेरे द्वारा जाने गए किसी भी अन्य व्यक्ति से कहीं अधिक हैं। आज कई लोग उनकी उपलब्धियों के बारे में बात करेंगे। मैं उनके असाधारण चरित्र पर और भी अधिक जोर देना चाहूंगा। मैं कई चतुर और योग्य लोगों से मिला हूं। लेकिन सिंह दूसरों से अलग थे। वे हमेशा संतुलित, विचारशील और बुद्धिमान थे। वे सबसे बढ़कर, सबसे दुर्लभ व्यक्ति थे। वे उच्च पद पर एक पूरी तरह से सभ्य व्यक्ति थे। मैं उनसे पहली बार 1974 के मध्य में मिला था, जब वे भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार थे, और मैं भारत में विश्व बैंक का वरिष्ठ प्रभागीय अर्थशास्त्री था। यह पहली तेल आपदा से ठीक पहले की बात है। सिंह ने अपने मौलिक शोध प्रबंध भारत के निर्यात रूझान और आत्मनिर्भर विकास की संभावनाएं में पहले ही पहचान कर ली थी कि इस तरह के झटके के बाद भारत को किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, जिसे बाद में 1964 में क्लेरेंडन प्रैस द्वारा प्रकाशित किया गया। तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के प्रति भारत की अत्यधिक संवेदनशीलता मुख्य रूप से देश के निर्यात के बेहद कम स्तर और इसके परिणामस्वरूप आयात पर सबसे कम आवश्यकता के लिए दबाव के कारण थी। दोनों ही भारत की नीतियों में अत्यधिक व्यापार विरोधी पूर्वाग्रह के परिणाम थे। इसके बाद, मैंने 1982 में अपनी खुद की किताब इंडियाज एक्सपोर्ट्स प्रकाशित की, जो उदारीकरण की बेहद जरूरी परियोजना में एक छोटा सा योगदान था। संयोग से नहीं, मुझे नफिल्ड कॉलेज में इयान लिटिल ने पढ़ाया था, जो सिंह के थीसिस सुपरवाइजर भी थे। जब मैं उनसे पहली बार मिला, तो मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वे प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के अधीन इस विकृत नीति प्रणाली में आमूलचूल सुधार करने वाले वित्त मंत्री बनेंगे। ये मेरे उनके साथ केवल व्यक्तिगत संबंध नहीं थे। मैं अपने आजीवन मित्रों मोंटेक सिंह आहलूवालिया और शंकर आचार्य से 1971 में मिला था, जब मैं विश्व बैंक के घरेलू वित्त प्रभाग में एक युवा पेशेवर था। बेशक, दोनों ने ही उनकी सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके साथ मेरी दोस्ती ने उनके साथ मेरे संबंधों को और गहरा कर दिया। इस बार एक पत्रकार के रूप में बैंक छोड ? के बाद के वर्षों में भी मैं सिंह से मिलता रहा। फाइनांशियल टाइम्स के पूर्व संपादक रिचर्ड लैम्बर्ट ने उन बैठकों में से एक के बारे में निम्नलिखित कहानी बताई। भारत के वित्त मंत्री के रूप में, मनमोहन सिंह ने मार्टिन वुल्फ और मेरे साथ अपने सुधार कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए 1990 के दशक की शुरूआत में एफ.टी. के लंदन कार्यालय का दौरा किया। मार्टिन ने पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया जो बिल्कुल स्पष्ट नीतिगत परिवर्तन जैसा लग रहा था। सिंह ने धीरे से उत्तर दिया, हां, मार्टिन,मैं अर्थशास्त्र को समझता हूं। लेकिन आप और मेरे बीच अंतर यह है कि यदि आप कोई गलती करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी की पूज्यनीय माताजी का निधन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित धनानी नगर निवासी बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के सचिव, विप्र फाउंडेशन तथा नमो नमो मोर्चा भारत के मीडिया प्रभारी वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी की पूज्यनीय माताजी प्रभावती देवी का स्वर्गवास 81 वर्ष की अवस्था में गुरुवार 23 जनवरी 2025 को उनके पैतृक निवास उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद अंतर्गत स्थित सालेमगढ़ में हो गया। वे अपने पति परमेश्वर, तीन बेटों समेत नाती, पोतों से भरा पड़ा पूरा परिवार छोड़कर देवलोकवासी हो गई। वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी की पूज्यनीय माताजी प्रभावती देवी के निधन की सूचना मिलने के पश्चात बोईसर-पालघर पत्रकार संघ, विप्र फाउंडेशन तथा नमो नमो मोर्चा भारत के पदाधिकारियों व सदस्यों समेत अनेक शुभचिंतकों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके स्व. माताजी की पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करने व ईश्वर से श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की कामना करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की तथा इस दुःखद घड़ी में उनके परिवार जनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

बोईसर में धूमधाम से मनाया गया प्रभु श्रीराम लला का प्राण प्रतिष्ठा दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। पवित्र तीर्थ स्थल पावन अयोध्या धाम मंदिर में विराजे प्रभु श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा दिवस के शुभ अवसर पर बुधवार 22 जनवरी 2025 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत डॉ. वर्तक गली, चंद्रभाल, चंद्रमोली बिल्डिंग के प्रांगण में भजन,कीर्तन का आयोजन कर बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रभु श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा दिवस के शुभ अवसर पर शुभम होरजारी के संचालक व समाजसेवी मुकुलेश गिरी व अन्य सहयोगियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या प्रभु श्रीराम जी भक्तगणों ने भजन, कीर्तन का गायन करने के पश्चात समुहित आरती की। समाजसेवी मुकुलेश गिरी व अन्य सहयोगियों की ओर से प्रभु श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा दिवस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों के लिए महाप्रसाद रूपी भंडारे की व्यवस्था की गई थी, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने हिस्सा लेकर महाप्रसाद ग्रहण किया।

एंकॉर-आल्कॉम ने सबसे बड़ा एल्यूमिनियम दरवाजों का प्लांट स्थापित किया

मुंबई। एंकॉर-आल्कॉम, जो हैदराबाद की एक प्रमुख एल्यूमिनियम दरवाजे और खिड़कियों की निमार्ता कंपनी है, ने घोषणा करते हुए बताया की उसकी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी, जो ऑटो रोबोटिक तकनीक से लैस भारत की पहली फैक्ट्री है, सूरत, गुजरात में शुरू हो गई है। भारत की यह सबसे बड़ी एल्यूमिनियम दरवाजे और खिड़कियां बनाने वाली फैसिलिटी 1,84,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और 500 लोगों को रोजगार दे रही है। कंपनी इस प्लांट में कई फेज में 60 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। एंकॉर वुडक्राफ्ट्स के फाउंडर और चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, अवथू शिवा कोटी रेड्डी ने कहा, हमने इस अत्याधुनिक नए प्लांट के लिए जर्मन तकनीक का उपयोग किया है, जिसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी 35,000 वर्ग फुट प्रति दिन है। हम अपने नए और आधुनिक प्रोडक्ट्स को 24 जनवरी से हैदराबाद के हाइटेक्स में आयोजित होने वाले ऐसटेक ट्रेड फेयर में प्रदर्शित करेंगे। आल्कॉम के डायरेक्टर जयंती भाई पटोला ने कहा, अब तक, कंपनी ने अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई और यूरोप सहित 3,500 प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया है हमारे प्रोडक्ट्स इस सेगमेंट में दुनिया की लीडिंग कंपनियों के बराबर हैं, क्योंकि हमारे पास अपनी विश्वस्तरीय अनुसंधान एवं विकास टीम है और हमने इटालियन डिजाइनरों के साथ मिल कर काम किया है। शिवा कोटी रेड्डी ने बताया के एंकॉर-आल्कॉम ने 20 फुट ऊंचा स्लाइडिंग दरवाजा बनाकर एक रिकॉर्ड स्थापित किया, जो ऊंचाई और चौड़ाई के मामले में भारत में सबसे बड़ा है। हमने एक प्रोजेक्ट में 3.6 टन वजनी स्लाइडिंग दरवाजा भी स्थापित किया। हमारी कंपनी ऐसे स्लाइडिंग दरवाजे डिजाइन करती है, जिन्हें तीन साल का बच्चा भी आसानी से चला सके। हमारे द्वारा निर्मित दरवाजे और खिड़कियां भारत और विदेशों में स्थापित नए रेस्तरां, कैफे और आउटलेट्स को विशेष आकर्षण प्रदान करती हैं। एंकॉर-आल्कॉम जल्द ही ऑस्ट्रेलिया और मध्य पूर्व में अपने मार्केट का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है। जयंती भाई पटोला ने कहा हम एल्यूमिनियम दरवाजे, खिड़कियां, रेलिंग और ग्लास फसाड्स का निर्माण करते हैं। हम स्लोवाकिया से हाई क्वालिटी वाले रोलर्स इंपोर्ट कर रहे हैं। भविष्य मेटल दरवाजों का है उन्होंने आगे बताया के, कंपनी विभिन्न देशों से हाई क्वालिटी वाले रॉ मटेरियल को इंपोर्ट करती है।

विश्व आर्थिक मंच दावोस 2025 में भारत का जल और स्वच्छता मॉडल बना वैश्विक प्रेरणा स्रोत

पटना। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने विश्व आर्थिक मंच में भारत के जल सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े परिवर्तनकारी प्रयासों को प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जल और स्वच्छता से जुड़े वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दावोस में प्रमुखता से प्रदर्शित किया। 24 जनवरी को आयोजित इजल सुरक्षा के भविष्य के लिए वैश्विक सहयोगफ विषयक सत्र में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, प्रमुख जल विशेषज्ञ और दुनियाभर से 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया। श्री पाटिल ने इस सत्र में भारत की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई पहलों को साझा किया। उन्होंने गुजरात की जल संकट से जल सुरक्षा तक की यात्रा का उल्लेख किया, जो प्रधानमंत्री मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान शुरू हुई और बाद में इसे पूरे देश में लागू किया गया। जल शक्ति अभियान के तहत 60,000 से अधिक अमृत सरोवरों का निर्माण और पुनर्जीवन तथा जल संरक्षण कार्यक्रमों को भारत प्रस्तुत किया गया।

भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी द्वारा 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कामतघर स्थित मोतीराम दादाजी काटेकर मैदान में हर्षोल्लास व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न किया गया । बतादें कि भाजपा भिवंडी जिला व उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा उत्तर भारतीयों का गौरव उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्तर भारतीय गौरव सम्मान व प्रतिभाशाली सम्मान के साथ उत्तर प्रदेश की गौरव गाथा प्रस्तुत किया गया । उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर समाज में विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान देकर अपनी पहचान बनाने वाले लोगों को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम सांस्कृतिक गीतों की गायिका अनामिका त्रिपाठी , सुजीत गौतम , आशुतोष रागी , धीरु पाल आदि कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल , भाजपा के वरिष्ट भाजपा नेता आर डी यादव , प्रदेश सदस्य सुगंधा टावरे , ओबीसी अध्यक्ष विठोबा नाईक , महिला मोर्चा की अध्यक्ष सुनीता टावरे , युवा कार्यकारिणी सदस्य श्रद्धा दुबे , पूर्व नगरसेवक यशवंत टावरे , युवा मोर्चा के अध्यक्ष राजू चौगुले , शिवम झा , भाजपा महासचिव राजू गाजेंगी , विशाल पाठारे , प्रचार प्रमुख पी डी यादव , उत्तर भारतीय मोर्चा महासचिव रामनारायण सोनी , कृष्णा हलवाई , जियालाल लाल गुप्ता , रामकरन यादव , मनोज ठाकुर , ॐ साई सेवा संस्था की अध्यक्ष स्वाति सिंह , डा.बृजेश यादव , संजय दुबे , बुद्धीसागर दुबे , सचिन पाटिल , लल्लन यादव , सुभाष यादव , कमलेश यादव , राजेन्द्र यादव आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे । आये हुये अतिथियों के हाथों सभी सम्मान मूर्तियों का स्वागत शाल पुष्पगुच्छ व सम्मानचिन्ह देकर किया गया । कार्यक्रम का सूत्र संचालन एडवोकेट नंदन गुप्ता ने किया ।

बोईसर में सत्यनारायण पूजा व सुंदरकाण्ड पाठ आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत यशवंत श्रृष्टि के बिल्डिंग नंबर 6 ए विंग के फ्लैट नं.102 में भारतीय जीवन बीमा निगम के वरिष्ठ अभिकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह के नव निवास स्थान पर माघ मास के कृष्ण पक्ष दशमी तिथि, शुक्रवार 24 जनवरी 2025 को सत्यनारायण पूजा व संगीतमयी सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन महेंद्र प्रताप सिंह व उनकी धर्मपत्नी बंदना सिंह द्वारा किया गया। इस सत्यनारायण पूजा व संगीतमयी सुंदरकाण्ड पाठ के आयोजन में परिवार जनों, ईष्ट मित्रों समेत अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर महाप्रसाद रूपी भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सभी उपस्थित जनों ने हिस्सा लेते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया।

भाईंदर की धरा पर पूज्य राजन महाराज की पहली श्रीरामकथा

भाईंदर (उत्तर शक्ति)। पूज्यश्री प्रेमभूषण जी महाराज के कृपा पात्र अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्रीरामकथा वाचक पूज्य राजन जी महाराज के व्यासत्व में धर्मज्योति प्रचार सेवा संस्थान द्वारा भाईंदर की धरा पर पहली बार नौ दिवसीय दिव्य श्रीरामकथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है यह आयोजन भाईंदर (पूर्व) जैसल पार्क चौपाटी पर किया गया है।

जो 25 जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक नित्य सांय 4 से 7 बजे तक चलेगा। कलश यात्रा के साथ इस श्रीरामकथा का शुभारंभ होगा।कलश यात्रा 25 जनवरी को सुबह10.30 भाईंदर (पूर्व)नवघर रोड स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर जैसलपार्क चौपाटी पर कथा स्थल तक पहुंचकर विश्राम लेगी। इस श्रीरामकथा के मुख्य यजमान अनूप दान बहादुर सिंह हैं। धर्मज्योति प्रचार सेवा संस्थान के अध्यक्ष नवीन रामधारी सिंह ने लोगों का इस मुक्ति प्रदायिनी दिव्य श्रीरामकथा में आवाहन करते हुए कहा कि पूज्य राजन जी के व्यासत्व में यह श्रीरामकथा हम सभी भक्तों के जीवन में पुण्यवर्धन का उत्तम सुखद सुयोग होगा।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विविध उपक्रम का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। एकीकृत बाल विकास सेवा योजना परियोजना के अंतर्गत सायवन विभाग के सायवन में महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह समेलन जिला परिषद के सदस्य काशिनाथ चौधरी, दहानू पंचायत समिति के सभापति प्रवीण गवली, पंचायत समिति के सदस्य पिंटी बोरसा, रायपुर सरपंच प्रकाश जाधव, सायवन पीएचडी के डॉ. राठौड़, उपसरपंच विलास गिंभल के साथ -साथ ग्राम पंचायत सदस्यों व विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हो गया।

इस अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ -साथ स्वास्थ्य और बाल विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देकर स्वावलंबी बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। आंगनवाड़ी सेविकाओं ने पथनाट्य के माध्यम से प्रभावी रूप से बाल विवाह के दुष्परिणाम और कम उम्र में शादी न करने के महत्व को प्रस्तुत किया। महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सायवन द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान को लागू करके महिलाओं का एचबी जांच किया गया तथा जरूरतमंदों को दवाएं भी दी गईं। पोषण आहार व सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले में पोषण स्टाल स्थापित किये गये थे। संतुलित आहार के महत्व को महिलाओं को समझाया गया। महिलाओं के लिए संगीत कुर्सी, चमचा-गोटी जैसे दिलचस्प खेल भी आयोजित किये गये। इन गतिविधियों ने महिलाओं के बीच उत्साह और ऊर्जा पैदा की।योजनाओं की विस्तृत जानकारी एकीकृत बाल विकास सेवा योजना परियोजना की परियोजना अधिकारी, इंदुमती सावंत ने योजना के माध्यम से वर्तमान गतिविधियों के लिए उपस्थित महिलाओं को दी। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के बारे में मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम का आयोजन वाढिया फाउंडेशन, अरोहन संस्था आणि प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में आईसीडीएस कासा परियोजना के कर्मचारीयों समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस सम्मेलन ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक नया अध्याय लिखा है और यह महिलाओं के स्वास्थ्य व विकास के लिए एक प्रशंसनीय उद्यम होगा, ऐसा उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया।

बिटिया बोझ लगे तो हमें दे : डॉ. रविंद्र मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव डॉ. रविंद्र मिश्रा ने बेटियों के प्रति समाज की सोच बदलने का आह्वान किया। यह विचार उन्होंने आयोग के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित एक विशेष बैठक के दौरान व्यक्त किए।

डॉ. मिश्रा ने कहा, ₹बेटियां कभी बोझ नहीं होतीं। यदि किसी को बेटियां बोझ लगती हैं, तो हमें सौंप दें। हम उनका पालन-पोषण कर उन्हें देश का गौरव बनाएंगे।₹ यह विचार समाज में व्याप्त बेटियों के प्रति भेदभाव और नकारात्मक सोच को समाप्त करने के लिए एक नई पहल है। बैठक के दौरान बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए आयोग की योजनाओं और अभियानों पर चर्चा हुई। डॉ. मिश्रा ने कहा, ₹बेटियों को उचित अधिकार, शिक्षा और अवसर प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। कोई भी बेटी समाज में उपेक्षित न रहे, इसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं।₹ उन्होंने यह भी कहा कि बेटियों को सशक्त बनाना सिर्फ एक परिवार का कर्तव्य नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। बेटियों को मजबूत बनाने से समाज और देश की बुनियाद मजबूत होगी। डॉ. मिश्रा ने इस मौके पर कहा, ₹बेटियां सिर्फ एक परिवार की नहीं, पूरे राष्ट्र की धरोहर हैं। यदि समाज उन्हें बोझ समझता है, तो यह हमारी मानसिकता की हार है। हमें बेटियों को बराबरी का दर्जा देकर उनके अधिकार सुनिश्चित करने होंगे। बैठक में आयोग द्वारा विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। यह कार्यक्रम बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। डॉ. मिश्रा के इस संदेश ने बेटियों के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने और उनके लिए एक सुरक्षित और समान माहौल बनाने की नई ऊर्जा प्रदान की।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी 8वीं वर्षगांठ मनाई, 15 नई बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया

मुंबई। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड गर्व के साथ अपनी 8वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो इसके विकास और वित्तीय समावेशन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 2017 में अपनी शुरूआत से लेकर, बैंक ने भारत भर में 1043 बैंकिंग आउटलेट्स के नेटवर्क के रूप में अपना विस्तार किया है। इस अद्वितीय यात्रा की सराहना करते हुए, बैंक अपनी वर्षगांठ के अवसर पर कई नई बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया जो इसके परिवर्तनकारी बैंकिंग सेवाओं को और अधिक समुदायों तक पहुंचाएगा।

वागले एस्टेट, ठाणे, न्यू पनवेल, रायगढ़ - महाराष्ट्र, कासबा आहर, समस्तीपुर - मिर्गंज, गोपालगंज, भीताहा, पश्चिम चंपारण, जमुहार, रोहतास - बिहार, मावड़ी, राजकोट - गुजरात, सेक्टर 16, पंचकूला, पंचकुला - हरियाणा, मसलिया, दुमका - झारखंड, कटंगी, बालाघाट - मध्य प्रदेश, हिंडौन, करौली - राजस्थान, गंगटोक - सिक्किम, थुदियालुर, कोयंबटूर - तमिलनाडु, गोमती नगर, लखनऊ और नगरा, बलिया - उत्तर प्रदेश ने 15 नई शाखाएं खोली हैं।

विस्तार पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, हमारी 8वीं वर्षगांठ हमारे निरंतर विकास और सेवा उत्कृष्टता की खोज में एक गौरवपूर्ण क्षण है। 1043 बैंकिंग आउटलेट्स के साथ देश भर में एक अमिट छाप छोड़ने की हमारी यात्रा में, हमें अपने ग्राहकों का अटूट विश्वास और समर्थन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है, जिसने हमें देश के अग्रणी स्मॉल फाइनेंस बैंक में से एक बनने में सक्षम बनाया है। हमारी 8वीं वर्षगांठ के इस दिन 15 नए आउटलेट्स का शुभारंभ, जिसमें सिक्किम राज्य में हमारा पहला आउटलेट भी शामिल है, जो अब हमें 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए, भारत भर में समुदायों की सेवा करने के हमारे समर्पण को और मजबूत करता है। सुलभ और अभिनव बैंकिंग समाधान प्रदान करके, हम वित्तीय सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और उन क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां हम सेवा प्रदान कर रहे हैं। बैंक अपने ग्राहकों को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने की स्थिति में है, जिसमें बचत और चालू खाते, सावधि जमा, और आवर्ती जमा शामिल हैं। अपने ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, बैंक आवास ऋण, व्यवसाय ऋण और संपत्ति के खिलाफ ऋण जैसे विभिन्न ऋण उत्पाद प्रदान करता है।

अपने बैंकिंग आउटलेट्स के नेटवर्क, डिजिटल बैंकिंग क्षमताओं और एटीएम नेटवर्क के साथ, बैंक एकीकृत ग्राहक सेवा प्रदान करता है। इसके अलावा, बैंक इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (वढक), और कॉल सेंटर जैसे कई चैनल प्रदान करता है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों की सेवा करते हुए, कम सेवा प्राप्त और असेवित ग्राहक वर्गों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है, जिनमें माइक्रो-बैंकिंग ऋण (खछ्रऋऋण), टरटए ऋण, आवास ऋण, और संपत्ति के खिलाफ ऋण आदि शामिल हैं। बैंक ग्राहकों को टैबलेट-आधारित एप्लिकेशन-सहायता प्राप्त मॉडल, डिजी ऑन-बोर्डिंग के माध्यम से शाखा में जाए बिना बैंक खाता खोलने की सुविधा भी प्रदान करता है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन लगातार जारी

ठाणे आयुक्त के आदेश पर घुसपैठियों पर कड़ी कार्रवाई

कल्याण(उत्तरशक्ति)। बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन लगातार जारी है। अवैध रूप से भारत में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस गिरफ्तार कर रही है।

इसी कड़ी में कल्याण परिमंडल-3 में पुलिस ने 5 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में 3 महिलाएं भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर मानपाड़ा पुलिस की टीम ने टाटा पावर नाका देशमुख होम्स परिसर में छापा मारकर 4 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। वहीं महात्मा फुले चौक पुलिस ने कल्याण स्टेशन परिसर में छापा मारकर 1 बांग्लादेशी महिला को हिरासत में लिया। छानबीन करने पर पुलिस ने पाया कि यह बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में दाखिल होकर रह रहे थे। पांचों को हिरासत में लेकर पुलिस कानूनी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

भारत दौरे पर ला ट्रोब युनिवर्सिटी के वाइस-चांस्लर आपसी शिक्षा संबंधों को मजबूत बनाएंगे

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब युनिवर्सिटी ने बड़े हर्ष से यह जानकारी दी है कि वाइस-चांस्लर प्रोफेसर थियो फैरेल आगामी 27 से 31 जनवरी 2025 तक भारत दौरे पर आ रहे हैं। उनके भारतीय दौरे से देश के शिक्षा और शोध संस्थानों के साथ ला ट्रोब के संबंध प्रगाढ़ होंगे तथा यह ऐतिहासिक साझेदारियों को यादगार बनाने का अवसर होगा।

खुद प्रोफेसर फैरेल का कहना है कि भारत के साथ ला ट्रोब की ऐतिहासिक साझेदारी रही है और उन्हें इस पर गर्व है। उच्च शिक्षा संस्थानों और प्रमुख उद्योगों के साथ ला ट्रोब की भागीदारी के तहत कई प्रोजेक्ट हैं, जिनका दोनों देशों को लाभ मिल रहा है। शिक्षा जगत में कई साझा प्रयास किए गए हैं। पहली बार फरवरी 2024 में इस विश्वविद्यालय में मेरी शुरूआत करने के बाद से यह मेरा तीसरा दौरा है। मुझे इसका बेसब्री से इंतजार है।

प्रोफेसर फैरेल ने कहा, मुझे एक बार फिर भारत आने की खुशी है। भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ ला ट्रोब की मौजूदा साझेदारियों की मजबूती बढ़ाने के साथ-साथ नई साझेदारियों को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं।

हमारे पास बायो-इनोवेशन, स्वास्थ्य और कल्याण, टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल फूड और कृषि आदि कई क्षेत्रों में विशिष्ट विशेषज्ञता रही है। इसका उपयोग भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च एसिस्टेंस (बीआईआरएसी) और बैंगलोर बायोइनोवेशन सेंटर (बीबीसी) से हमारी साझेदारी के माध्यम से किया जा रहा है। इनके सहयोग से हम बायो इनोवेशन कॉरिडोर बना रहे हैं जिससे अनुसंधान और इनोवेशन बढ़ेंगे।मैं भारत में संयुक्त शैक्षिक साझेदारी के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया में विद्यार्थियों को पढ़ने के बेहतर अवसर मिलने की संभावना से भी उत्साहित हूं। हम मिल कर बड़े काम कर सकते हैं और दोनों देशों में उच्च शिक्षा को नया मुकाम दे सकते हैं। प्रोफेसर फैरेल के इस दौरे की एक बड़ी उपलब्धि क्यूएस इंडिया समिट 2025 के अवसर पर एक पैनल चर्चा में उनकी भागीदारी होगी। यह आयोजन मंगलवार, 28 जनवरी को गोवा में हो रहा है। इस पैनल चर्चा की अध्यक्षता सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की प्रो चांसलर डॉ विद्या येरवडेकर करेंगी। इसका थीम है - वैश्विक अनिश्चितताओं का समाधान : सुदृढ़ शिक्षा संस्थानों का निर्माण। यह समिट भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान का आयोजन है, जो उच्च शिक्षा में वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच होगा। प्रोफेसर फैरेल 31 जनवरी को दिल्ली स्थित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर विमेन (एलएसआर) के साथ ला ट्रोब की साझेदारी की 30वीं सालगिरह मनाएंगे। यह आयोजन दो प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच तीन दशकों के अटूट शिक्षा सहयोग और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान को यादगार बनाने का अवसर होगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

71 खाताधारकों के खाते से 82 लाख रुपये गबन करने वाला आरोपित कैशियर गिरफ्तार

आजाद नहर स्थित पुलिया के पास से खेतासराय पुलिस ने गिरफ्तार करने का किया दावा

◆ **मामला पंजाब नेशनल बैंक की स्थानीय शाखा का**

निशानाथ

खेतासराय,(जौनपुर)। खेतासराय पुलिस टीम ने शुक्रवार को शाहगंज-जौनपुर मुख्य मार्ग पर आजाद स्थित नहर के पुलिया के पास से पंजाब नेशनल बैंक की स्थानीय शाखा से करीब 71 खाताधारकों से लगभग 82 लाख रुपये धोखाधड़ी और गबन करने वाला आरोपी कैशियर को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपी को थाने लाकर विधिक कार्यवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि मुखबीर की सूचना के आधार पर शुक्रवार को उपनिरीक्षक मोहम्मद तारिक अंसारी, कांस्टेबल शुभम त्यागी के साथ मुखबीर के निशानदेही पर आजाद नहर पुलिया के पास से वांछित पूर्व कैशियर राकेश कुमार पुत्र रंजीत कुमार (32 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। जो गाजियाबाद बिहार संजय नगर का निवासी है। इसे थाने लाकर आवश्यक कार्यवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। गौरतलब है उक्त घटना लगभग दो वर्ष पूर्व की है जिसमें लिप्त अन्य बैंक कर्मचारियों के विरुद्ध जाँच की कार्यवाई शुरू हो गयी है। पंजाब नेशनल बैंक की स्थानीय शाखा के खाताधारकों के खाते से अचानक रुपये गबन या गायब होने से खाताधारक परेशान हो गए थे और बैंक और पुलिस थाने का चक्कर लगाते रहते थे

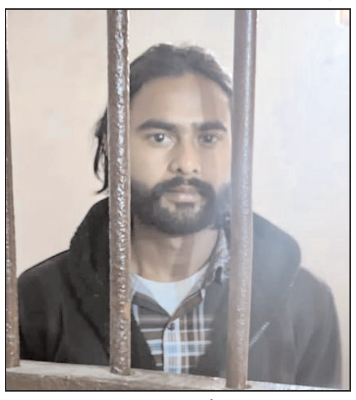

गिरफ्तार आरोपित कैशियर स्थानीय शाखा के एक बैंक मित्र के साथ मिलकर फर्जी प्रमाण-पत्र के माध्यम से कूटरचित तरीके से अपने सगे-सम्बन्धियों और चेहतों के खाते में पैसा ट्रांसफर कर निकाल लेता था और आपस में बंटवारा कर लेता था जिससे प्रायः खाते से पैसा गायब होने या कटने का मामला सामने आता रहा तत्कालीन शाखा प्रबंधक मनीष कुमार जायसवाल ने जब उक्त आरोपी और कर्मचारियों से पूछताछ किया तो लोग अनसुना कर रहे थे और दिसम्बर सन 2022 में अचानक बैंक छोड़कर भाग गए थे। ऐसे में 30 जून 2024 को न्यायालय के आदेश पर आरोपितों के खिलाफ कूटरचित तरीके से रुपये गबन, धोखाधड़ी समेत गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था।

सिगरा और कबीरचौरा में 58 करोड़ से बनेंगे व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स

◆ **वाराणसी नगर निगम जारी करेगा 50 करोड़ का बांड**

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में योगी सरकार की कैबिनेट से ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद वाराणसी नगर निगम 50 करोड़ रुपए का बांड जारी करेगा। बांड के जरिए मार्केट से जुटाए पैसों से सिगरा और पशु अस्पताल कबीर चौरा में कमर्शियल बिल्डिंग बनाई जाएगी। 26 करोड़ लागत से बनेगा सिगरा में कॉम्प्लेक्स नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया कि पहले चरण में सिगरा में 36 करोड़ की लागत से 28 सौ वर्गमीटर में बिल्डिंग बनेगी। दूसरे चरण में पशु अस्पताल कबीरचौरा में भी 22 करोड़ की लागत से कमर्शियल बिल्डिंग बनाई जाएगी। *नगर निगम भी बनेगा साझेदार नगर निगम को पहले चरण में 50 करोड़ के बांड जारी करने की शासन से मंजूरी मिली है। नगर निगम बॉन्ड के जरिए जुटाए रुपए से दो स्थानों पर कमर्शियल बिल्डिंग बनाएगा। निर्माण की लागत 58 करोड़ रुपए प्रस्तावित है। शेष धनराशि नगर निगम निर्माण में लगाएगा। सेबी के सेमिनार में ले चुके ट्रेनिंग वाराणसी नगर निगम का बांड जारी करने की कवायद वर्ष 2017 से ही चल रही थी। नगर निगम की कार्यकारिणी में भी 100 करोड़ के बांड जारी करने पर सहमति बनी थी।

बांड जारी करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए नगर निगम की एक टीम ने बीते साल मुम्बई के सेबी ऑफिस भी पहुंची थी। सेबी की निगरानी में होगी बैलेंस शीट बांड जारी होने के साथ ही नगर निगम की बैलेंसशीट सीधे सेबी की निगरानी में होगी। बैलेंसशीट का वेरिफिकेशन सेबी करेगी। शहर के विकास को मिलेगी गति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों को पंख लगेंगे। नगर निगम बांड के जरिए जुटाए पैसों को विकास कार्यों में लगाएगा। अब नगर निगम शहर में अपनी अन्य भूमि जो हाल ही में अतिक्रमण मुक्त हुई है। उनपर भी प्रोजेक्ट तैयार करने की प्रक्रिया में जुट गया है।

तंग दायरों की तोड़ दीवार असीम की ओर हो विस्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आज जहां एक ओर देश और दुनिया में समाज हर प्रकार से संकीर्णता और तंगदिली के दायरों में बँटा हुआ है। वहीं दूसरी ओर संत निरंकारी मिशन इन दीवारों को गिराकर विस्तार की ओर प्रेरित करने का प्रयास कर रहा है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन सानिध्य में महाराष्ट्र का ५८ वां वार्षिक निरंकारी संत समागम २४ से २६ जनवरी २०२५ को पिंपरी, पुणे में आयोजित हो रहा है। जिसमें ह्विस्तार असीम की ओरह्व विषय के आधार पर आध्यात्मिक मंथन का दिव्य रूप सजेगा। यह जानकारी स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने देते हुए बताया कि लगभग ३०० एकड़ क्षेत्र में सजने वाले भक्ति के इस महायज्ञ में देश और विदेशों से जहां लाखों श्रद्धालु भक्त और गणमान्य नागरिक सम्मिलित होंगे। वहीं जनपद जौनपुर से सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु भक्त इस संत समागम में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं इस निरंकारी संत समागम का सीधा प्रसारण भी पूरे विश्व में कई धर्म प्रेमी देख पाएंगे। निरंकारी संत समागम की व्यवस्था मिशन के सेवादारों द्वारा बहुत ही मर्यादित एवं सुनियोजित रूप से २४ जनवरी से शुरू होकर निरंतर जारी हैं। संत निरंकारी मिशन समागम चैयरमैन श्री शम्भुनाथ तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, कैंटीन, सहायता, पार्किंग, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सेवाओं को निभाने के लिए संत निरंकारी सेवादल के लगभग १५ हजार सदस्य समर्पित भावना से जुटे रहेंगे। संत समागम के तीनो दिन दोपहर २:०० बजे से रात ८:३० बजे तक मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें अनेक विद्वान अपने भाव व्यक्त करेंगे और अनेक समर्पित संगीतज्ञों के माध्यम से भक्ति भाव की छटा बिखेरेंगे जिसमे हर वर्ष आयु वर्ग के अनेक भाषा-भाषी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एक रूहानी कवि दरबार समागम का विशेष आकर्षण बना रहेगा। सत्संग के अंत में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के प्रेरक प्रवचनों से सभी श्रद्धालु लाभान्वित होंगे।

निरंकारी मिशन के संत कलाकारों द्वारा एक अनूठी प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, जहां मिशन के इतिहास, दर्शन, आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों का मनोरम चित्रण किया गया है। मिशन द्वारा प्रकाशित सभी पत्रिकाएं और पुस्तकें भी समागम में उपलब्ध होंगी। इस विशाल संत समागम के आयोजन में महाराष्ट्र राज्य की व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों का भी महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा। मानव मन की सोच और दृष्टि को ज्ञान और विचार के आधार पर विस्तार प्रदान करने वाले इस संत समागम में आप सभी का स्वागत है।

महाकुंभ में शुक्रवार से बाहरी गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित

डॉ.एस.के.मिश्र

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। जनपद के महाकुंभ में शुक्रवार से बाहरी गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। यातायात प्रभारी अमित ने बताया कि शनिवार व रविवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। महाकुंभ में शुक्रवार से बाहरी गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। यातायात प्रभारी अमित ने बताया कि शनिवार व रविवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

जौनपुर-प्रयागराज मार्ग: अगर आप जौनपुर की तरफ से प्रयागराज आ रहे हैं तो आपको सहसों से गारापुर होते हुए आना होगा। चीनी मिल पार्किंग झूंसी और पूरेसूरदास पार्किंग गारा रोड पर वाहनों को पार्क करना होगा।

वाराणसी-प्रयागराज मार्ग: वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में आने के लिए कनिहार रेलवे अंडरब्रिज से शिवपुर उस्तापुर पार्किंग, पटेल बाग, कान्हा मोटर्स पार्किंग में वाहनों को पार्क करना होगा।

मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग: मिर्जापुर मार्ग से आ रहे हैं तो देवरख उपरहार और सरस्वती हाईटेक पार्किंग तक आने की अनुमति रहेगी। वहीं, रीवा मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन नैनी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और नव प्रयागम पार्किंग एरिया में पार्क कराए जाएंगे। जौनपुर-प्रयागराज मार्ग अगर आप जौनपुर की तरफ से प्रयागराज आ रहे हैं तो आपको सहसों से

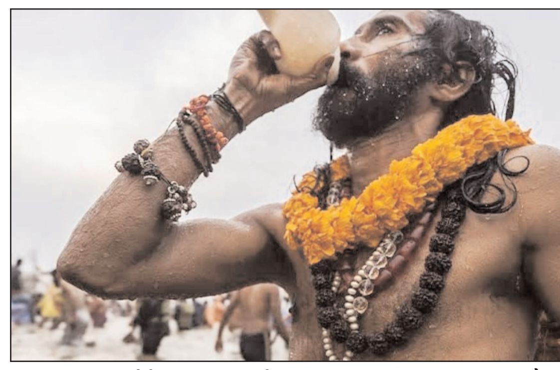

गारापुर होते हुए आना होगा। चीनी मिल पार्किंग झूंसी और पूरेसूरदास पार्किंग गारा रोड पर वाहनों को पार्क करना होगा।

वाराणसी-प्रयागराज मार्ग: वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में आने के लिए कनिहार रेलवे अंडरब्रिज से शिवपुर उस्तापुर पार्किंग, पटेल बाग, कान्हा मोटर्स पार्किंग में वाहनों को पार्क करना होगा। *मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग* मिर्जापुर मार्ग से आ रहे हैं तो देवरख उपरहार और सरस्वती हाईटेक पार्किंग तक आने की अनुमति रहेगी। वहीं, रीवा मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन नैनी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और नव प्रयागम पार्किंग एरिया में पार्क कराए जाएंगे।

कानपुर-प्रयागराज मार्ग: कानपुर की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन नवाबगंज, मलाक हरहर, सिक्सलेन होते हुए बेली कछार और बेला कछार एक या दो में पार्क कर सकेंगे।

कौशाम्बी-प्रयागराज मार्ग: कौशाम्बी मार्ग से शहर में प्रवेश होने वाहन नेहरु पार्क व एयरफोर्स मैदान पार्किंग में अपने वाहनों की पार्किंग कर सकेंगे।

प्रतापगढ़-लखनऊ-प्रयागराज मार्ग: प्रतापगढ़ और लखनऊ की ओर से आने वाले बेली कछार व बेला कछार दो तक वाहनों को पार्क कराया जाएगा। यहां से ई-रिक्शा समेत अन्य वाहनों से आगे जा सकेंगे।

प्रदेश समृद्ध विरासत के साथ कर रहा है विकास: प्रो.वंदना सिंह

◆ उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी

◆ विकास व विरासतः प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश विषयक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर दिवस की थीम 'विकास व विरासतः प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की उपलब्धियों और उसके गौरवशाली इतिहास को उजागर करना रहा। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश ने शिक्षा, उद्योग, संस्कृति और कृषि जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। आज हमें अपनी समृद्ध विरासत को संरक्षित रखते हुए, विकास के नए आयाम तय करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के हर गांव तक बिजली ही नहीं विकास की किरण पहुंच रही है। यह आज ही नहीं पहले से ही उत्तम प्रदेश रहा है तभी हमारे आराध्यदेव भगवान राम और कृष्ण ने इस प्रदेश में जन्म लिया। आज हमारे विरासत का ही नतीजा है कि पूरे विश्व के

लोग महाकुंभ में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर है। इसी क्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक दृष्टि से देश का एक प्रमुख केंद्र है। राज्य सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में विकास के कई नए आयाम हासिल किए हैं। आज हम बैलगाड़ी, साइकिल युग से अंतरिक्ष पर चले गए हैं। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान के संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने कहा कि हमारी विरासत को मिटाने की कोशिश की गई लेकिन हमने अपने अभिलेखों को मिटने नहीं दिया। आज भी अभिलेख हमारे इतिहास और साहित्य पर सवाल की तरह खड़े हैं। संगोष्ठी के पूर्व विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित वृत्तचित्र दिखाई गई। संगोष्ठी का आयोजन एवं संचालन नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रामनारायण, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अमित मिश्र आदि शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

खेतासराय पुलिस ने बलात्कार के आरोपित किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस टीम शुक्रवार को एक बलात्कार के वांछित आरोपित को गिरफ्तार करने का दावा किया है

जिसके खिलाफ कार्यवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। थानाध्यक्ष रामाश्रय ने बताया कि शुक्रवार को हमराह उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल नफीस के साथ क्षेत्र के गस्त पर था। इसी दौरान मुखबीर के जरिये सूचना मिली कि बलात्कार का एक वांछित अभियुक्त गुरैनी बाजार के समीप मौजूद है। मौके पर पहुँचकर मुखबीर की निशानदेही पर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पूछताछ में अपना नाम शाहबाज पुत्र फैयाज (22 वर्ष) निवासी मारूफपुर थाना खेतासराय बताया जिसके खिलाफ स्थानीय थाना बलात्कार व एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज है।

उत्तर प्रदेश दिवस-2025 का आयोजन तथा संस्कृति उत्सव 2024-25 का हुआ समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र के मार्गदर्शन में तथा मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम के पर्यवेक्षण में 24 से 26 जनवरी की अवधि में 'उत्तर प्रदेश दिवस-2025 का आयोजन तथा संस्कृति उत्सव 2024-25 का समापन कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में 24 जनवरी 2025 को अपराह्न 1:30 पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग उत्तर प्रदेश/प्रभारी मंत्री ए.के.शर्मा थे। इसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सूचना विभाग द्वारा प्रदर्शनी, शिक्षा विभाग, उद्योग विभाग, कृषि, पशुपालन, मत्स्य, रोजगार, समाज कल्याण, प्रोबेशन, कौशल विकास, खेल सहित अन्य विभागों को विभाग से संबंधित संचालित जन कल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं व उत्पादों का स्टाल लगाकर ब्रोशर आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जन सामान्य को योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई।

पत्रकार की माता का निधन, शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचे फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के कनुपुरवां गांव निवासी निर्मला देवी (56वर्ष) की आयु में गुरुवार को उनके पैतृक आवास पर निधन हो गया। वे सी न्युज भारत के पत्रकार दिनेश यादव की माँ थी। उनके निवास स्थान पर शुक्रवार को शोक संवेदना व्यक्त करने

पहुंचे क्षेत्रिय फिल्म अभिनेता/समाजसेवी चन्दन सेठ, पराऊगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवचन्द यादव, भाजपा नेता कृपा शंकर दुबे, रामचन्दर सिंह रेहटी, विनय वर्मा, रामलाल यादव, अभिषेक अग्रहरि, टिन्कु गिरि, रवि यादव, मंयक पटेल समेत सैकड़ो लोगों का ताता लगा रहा।

नीट की तैयारी करने वाली छात्रा से दुष्कर्म

वीडियो वायरल करने की दी धमकी, आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के लंका थाना क्षेत्र में हॉस्टल में रह कर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाली एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रा को परिचित युवक मिलने के लिए बुलाकर नशीला पेय पदार्थ पिलाया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। छात्रा की शिकायत पर लंका थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। ये है पूरा मामला पीड़िता छात्रा ने लंका थाने की पुलिस को बताया कि वह भोगाबीर स्थित एक हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी करती है। राज जान को वह जानती थी। राज जान ने उसे फोन कर मिलने के लिए एक पेईंग गेस्ट हाउस में बुलाया। जब वह वहां गई तो राज जान ने उसे नशीला पेय पदार्थ पिला दिया। इसके बाद उसे कुछ समझ में नहीं आया। ऐसा एहसास हुआ कि राज जान द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया गया है।

राज जान ने उसके दुष्कर्म का वीडियो भी बनाया है। उसने धमकी दी है कि यदि वह दुष्कर्म की शिकायत पुलिस से की तो उसका वीडियो यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर देगा। इस संबंध में लंका थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर भगवानपुर निवासी राज जान को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। उसे अदालत में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

सिकरारा पुलिस ने वन्य जीव संरक्षण अधि0 से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सिकरारा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा पुलिस ने वन्य जीव संरक्षण अधि0 से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद में चलाये जा रहे।अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में उ0नि0 कमलेश कुमार तिवारी मय हमराही कर्मचारीगणो के द्वारा दिनांक 22.01.25 को फर्द बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0- 23/2025 धारा 51 वन्य जीव संरक्षण अधि0 व धारा 4/25 आयुद्ध थाना सिकरारा, जौनपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को आज दि0 24.01.25 को मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

अबुशहीद बाबा के उर्स में की गई चादरपोशी

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बृहस्पतिवार की देर शाम नगर के पोस्ट आफिस के सामने स्थित अबुशहीद बाबा की मजार के परिसर मे 128 वा उर्स मनाया गया। उर्स के कार्यक्रम की शुरूआत असर की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी और चादरपोशी करके की गई। मगरिब की नमाज के बाद जलसे की शुरूआत कारी जलालुद्दीन ने तेलावत कुरआन पाक करके की गई।मौलाना हामिद रजा ,कारी इमरान ने नतिया कलाम

और मंकबत पेश किया। जलसे को संबोधित करते हुए मुफ्ती ओवैस मिस्बाही ने कहा शहीद और औलिया की शिक्षाएं हमेशा प्रासंगिक रहती है इनकी पैरवी करके ही हम ईमान की रोशनी पा सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से हाफिज शफीकुल कादरी ,सैयद ताहिर, लायक अली खां, हाजी नेसार अहमद इराकी ,नूर मोहम्मद खां, नफीस खां, वसीम खां आदि उपस्थित रहें। संचालन मोहम्मद असलम खां ने किया।

पीडीए समाज के आरक्षण और स्वर्णिम भविष्य के सूत्रधार थे कपूरी ठाकुर: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में सांसद जौनपुर कार्यालय नईगंज

पर 11 बजे दिन जननायक, भारत रत्न, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, महान शिक्षाविद, महान राजनीतिक एवं महान स्वतंत्रता सेनानी कर्पूरी ठाकुर जी की 101 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने कर्पूरी ठाकुर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तत्पश्चात गोष्ठी आयोजित कर उनके संघर्षों एवं बलिदान को याद करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करें जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलनों से लेकर बिहार के मुख्यमंत्रित्व काल तक और जीवन पर्यंत शोषित वंचित पीडीए समाज की लड़ाई लड़ते रहे। पिछड़ों को 26% आरक्षण देकर उन्हें मुख्य धारा में लाने का काम किया। पिछड़ों के आरक्षण के सूत्रधार थे कर्पूरी ठाकुर। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने आगे कहाकि सामाजिक आजादी के समय पटना में दिए उनके भाषण ने उस वक्त काफी सुर्खियां बटोरी थी। उन्होंने छात्रों की सभा में कहा था कि हम मिलकर थूकें भी तो अंग्रेज बह जाएंगे। हम पीडीए समाज के लोग कर्पूरी ठाकुर के सदैव ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर कर्पूरी ठाकुर जी के बलिदानों और संघर्षों पर पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद अरशद खान, जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल, पूर्व प्रमुख रामचंद्र यादव, हरिश्चंद्र प्रभाकर, वीरेंद्र यादव, राकेश शर्मा आदि ने गंभीर चर्चा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गोष्ठी में महेंद्र यादव, हिसामुद्दीन शाह, हीरालाल विश्वकर्मा, नैपाल यादव, राहुल त्रिपाठी, गुलाब यादव, श्यामनारायण बिंद, दीपक विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव डॉ शबनम नाज जगदीश प्रसाद मौर्य उर्फ गप्पू सभासद, डॉ. जंगबहादुर यादव, ऋषि यादव, धर्मेंद्र सोनकर, रामजतन यादव, राम अकबाल यादव, अशोक नायक, सुरेन्द्र शर्मा, आसिफ शाह, शुभम यादव, धीरज बिंद, अजय श्रीवास्तव, अमित गौतम, अनिल कुमार शर्मा, रामकेश बिंद, पंडित जितेंद्र शर्मा, मदभारत बिंद, रविन्द्र कुमार प्रधान, संदीप मौर्य, बाबा पटेल, अरविंद सोनकर, आशीष यादव, सुनील कुमार शर्मा, अजीत कुमार यादव, सिद्धार्थ यादव, अरविंद सोनकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

25 जनवरी को बृहद रूप से मनाया जाएगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे जनपद में 25 जनवरी को 15वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा मुख्य कार्यक्रम जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में टी. डी. इन्टर कालेज परिसर में पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित है। नगर के सभी इन्टर व डिग्री कालेज से छात्र छात्राएं अपने

कालेज से मतदाता जागरूकता रैली लेकर बैनर के साथ मुख्य कार्यक्रम स्थल टी डी इन्टर कालेज पहुंचेंगे, जहाँ पर मतदाता जागरूकता विषय पर रंगोली, मेहंदी व पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित होगी, उस विजेताओं व उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। नये युवा मतदाता को मतदाता पहचान पत्र प्रदान किया जायेगा। सभी को मतदाता की शपथ दिलाई जायेगी। उन्होंने सभी लोगों से अपील किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा नुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूर्ण मनोयोग एंवम हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाय।

बालिका दिवस पर विद्यार्थियों में टाई, बेल्ट व परिचय पत्र का वितरण

चिराना। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय के सभी 136 विद्यार्थियों को आइडेंटी कार्ड, परिचय पत्र, टाई व बेल्ट भामाशाह एडवोकेट जवाहरलाल जांगिड़, नवरंग लाल जांगिड़ निवासी पुरोहितों की ढाणी द्वारा वितरित किए गए। साथ ही महेश कुमार जांगिड़, सांवरमल जांगिड़ ने 5100 रुपए विद्यालय विकास के लिए भेंट किए। इस अवसर पर ग्राम के धूडमल जोया, महावीर प्रसाद कसाना,जोरु राम कल्याण,डॉक्टर मनोहर लाल,अशोक जांगिड़, प्रदीप कुमार शर्मा,जगदीश प्रसाद कल्याण हवलदार, सरिता चौधरी,मुकेश कुमार,मनीष कुमार, श्रवण कुमार जांगिड़,गायत्री रेगर, गोवर्धन शर्मा,गंगाधर कल्याण, जयप्रकाश,मुकेश कुमार बसावा,पूजा पारीक,संतोष कुमार कुमावत वरिष्ठ अध्यापक ने सभी का स्वागत किया व शाला प्रधानाचार्य किशोरी लाल सिंघल ने दिल खोलकर दिलेरी दिखाने वाले भामाशाहों का आभार व्यक्त किया।

पार्कसाईट में महारुद्र यज्ञ, मानस प्रवचन

मुंबई। श्री सिद्धेश्वरम ट्रस्ट द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री सिद्धेश्वरम ट्रस्ट (शंकर मंदिर) प्रांगण, आनंदगढ़ पार्कसाईट विक्रोली वेस्ट मुंबई मे 22 जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात 10 बजे तक स्वामी श्री रामबिहारी शरण जी महाराज रमानस कोविद् श्री अयोध्या धाम के कृपा पात्र शिष्य श्री नरेंद्र द्विवेदी जी महाराज के मुखार बिंदु द्वारा मानस प्रवचन कथा की अमृत वर्षा हो रही है। महारुद्र यज्ञ, मानस प्रवचन, कथा मे आस पास एवं दूर दराज के श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ से पूरा परिसर भक्ति मय हो गया है. 2 फरवरी शाम को भंडारा महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया है तथा प्रतिदिन मंदिर प्रांगण मे विद्वानों द्वारा मंत्रोचार से अलग अलग यजमानों के द्वारा पूजा पाठ आरती किया जाता है.यह समस्त आयोजन ट्रस्ट के अध्यक्ष मंदिर पुजारी पंडित ओमप्रकाश पांडेय की अध्यक्षता मे किया जा रहा है. मंदिर के समस्त ट्रस्टी, कार्यकर्ता एवं आस पास के श्रद्धालु भक्त कार्यक्रम को सफल बनाने मे लगे हुए है।

अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

अलीगढ़(उत्तरशक्ति)। गभाना के हाईवे बाईपास पर किसी वाहन को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एटा कसेला निवासी 21 वर्षीय आकाश पांडे पुत्र अरुण कुमार पांडे नोएडा में किसी कंपनी में नौकरी करते थे। 24 जनवरी की दोपहर बाइक से घर आ रहे थे। जैसे ही हाईवे बाईपास पर पहुंचे कि किसी वाहन को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल को टोल प्लाजा की एंबुलेंस से उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक दो बहन भाइयों में बडा था। परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। सूचना पर परिजन भी अलीगढ़ पहुंच गए।

जंगल में मिला लापता युवक का कंकाल

हमीरपुर (उत्तरशक्ति)। हमीरपुर जिले में सदर कोतवाली के शीतलपुर व चंदूपुर गांव के जंगलों में लापता युवक की कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। लापता युवक के परिजनों ने पैर से शिनाख्त की। पुलिस ने परिजनों के डीएनए सैंपल लेकर जांच के भेजने की बात कह रही है। पुलिस को बृहस्पतिवार को शीतलपुर और चंदूपुर गांव के जंगल के पास अलग-अलग स्थानों से मानव अस्थियां मिलने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जांच-पड़ताल की शुक्रवार को मौके पर दो हड्डियां मिली, जिन्हें कब्जे में ले लिया गया। मिट्टी से सना एक पैर मिला है। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि 17 जनवरी को बाबूलाल निवासी कनौटा ने अपने पुत्र जितेंद्र (22) के गुमशुदा होने की सूचना दर्ज कराई थी। युवक 31 दिसम्बर से लापता था।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

बाराबंकी(उत्तरशक्ति)। सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। इनमें एक ऑटो चालक थे व दूसरे मजदूरी कर जीवनयापन करते थे। बृहस्पतिवार को पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया। दोनों के परिवारों में मातम है। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के अकबा मजरे बसारी गांव निवासी पवन कुमार (32) मजदूरी करके जीवनयापन करते थे। बुधवार को वह गंगापुर घाट पर हो रही रासलीला देखकर रात करीब 11 बजे पैदल ही घर लौट रहे थे। बेलहरा-छेदा मार्ग पर टिकवा गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। पवन अपने पीछे पत्नी व तीन बच्चे छोड़ गए हैं। बदोसराय थाना क्षेत्र के मेलारायगंज गांव निवासी प्रेम कुमार (36) ऑटो चालक थे। बुधवार रात करीब आठ बजे जैदपुर से सवारी छोड़कर घर लौट रहे थे। रास्ते में शहजादपुर के पास सामने जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली में अचानक ब्रेक लगने से ऑटो पीछे से जा टकराया। पुलिस ने घायल को सीएचसी जैदपुर पहुंचाया। आधार कार्ड के माध्यम से पहचानकर परिजनों को सूचना दी। वहां से जिला अस्पताल भेजा गया मगर रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आए और पुलिस को सूचना दी।

कंट्रोल रूम स्थापित, 106 केंद्रों पर होगी निगरानी

बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं की ऑनलाइन निगरानी करने के लिए डीआईओएस कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है। यहां लगे दस कंप्यूटरों से 106 परीक्षा केंद्रों को जोड़ा जा रहा है। इनकी वेबकास्टिंग भी होगी। इस दौरान पुलिस बल के साथ स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी तैनात रहेंगे जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट तुरंत अधिकारियों को देंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी ने बताया कि जिले में 24 फरवरी से 12 मार्च तक होने वाली परीक्षा में नकलविहीन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। बाराबंकी में 106 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जहां विद्यार्थी 76,053 परीक्षा देंगे। हाईस्कूल में 40,691 व इंटरमीडिएट में 35,362 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। केंद्रों से रिकॉर्ड युक्त सीसीटीवी कैमरे के मॉडल नंबर, आईडी पासवर्ड व राउटर का विवरण मांगा जा रहा है। जिले में बोर्ड परीक्षा 2025 के लिए छात्रों के तनाव प्रबंधन, समस्याओं के समाधान और विषय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन के लिए राजकीय जिला पुस्तकालय में हेल्प डेस्क की स्थापना की जा चुकी है। यहां सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक परीक्षार्थी अपनी समस्याओं का समाधान मोबाइल या व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। जनपद और तहसील स्तर पर विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है।

अमृत योजना के लंबित कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

वसई रोड। वसई-विरार नगर निगम मुख्यालय, विरार राज्य स्तरीय जनजातीय समीक्षा समिति के अध्यक्ष (मंत्री पद), वसई के पूर्व विधायक विवेक भाऊ पंडित की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन, हर घर जल योजना एवं अमृत योजना के लंबित कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जल जीवन मिशन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, लंबित कार्यों, कठिनाइयों एवं उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। वसई तालुक में पानी की प्रचुर उपलब्धता के बावजूद, कुछ गांवों और आदिवासी पाड़ों को अभी भी पीने का पानी नहीं मिलता है और वसई शहरों में समाजों को पर्याप्त पानी नहीं मिलता है। पानी की कमी है और सोसायटियों को टैंकर से पानी लाने के लिए लाखों रुपये का बिल चुकाना पड़ता है. इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की गयी. इसके अलावा, वसई के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में जल वितरण के लिए पाइपलाइनें बिछाई जानी बाकी हैं। इस संबंध में अधिकारियों से कार्य पूरा करने के लिए आवश्यक अवधि मांगी गयी. विवेक भाऊ पंडित द्वारा दिया गया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल जीवन मिशन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए लंबित कार्यों के कार्यान्वयन में तेजी लाने का भी निर्देश दिया और जल जीवन मिशन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपायों को तुरंत लागू करने को कहा। उन्होंने नागरिकों को समय पर और प्रभावी तरीके से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए तत्काल उपाय करने पर भी जोर दिया।

इस बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ,वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त अनिल कुमार पवार, परियोजना अधिकारी दहानू सत्यम गांधी, उपायुक्त संजय हेरवाडे, समूह विकास अधिकारी वसई डोलारे, जलप्रदाय अधिकारी एकनाथ ठाकरे, जल जीवन मिशन अधिकारी, जिला परिषद अधिकारी और महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण अधिकारी, साथ ही वसई निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा के प्रमुख प्रतिनिधि, कार्यकर्ता, श्रमिक संघ कार्यकर्ता और आम नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार सवार बदमाशों ने गोली मारकर किसान की हत्या

बागपत (उत्तरशक्ति)। अमीनगर सराय के हजूराबाद गढ़ी गांव के किसान देवेंद्र (45) की शुक्रवार शाम कैडवा मोड़ के पास कार सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। वहां से गुजरने वाले लोगों ने देवेंद्र का गोली लगा शव देखा तो पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताया गया कि किसान देवेंद्र शुक्रवार को पथरी की दवाई लेने अमीनगर सराय गया था। वहां से लौटते समय कैडवा मोड से पैदल ही गांव आ रहा था। तभी भरे बाजार उसे कार सवार बदमाशों ने रोक लिया और गोली मारकर फरार हो गए। फायरिंग होने से मौके पर दहशत का माहौल हो गया। लोगों ने देवेंद्र के गांव में सूचना दी। देवेंद्र के परिजन दौड़े-दौड़े आए। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों ने बताया कि देवेंद्र के दो बेटे हैं, जो पढ़ाई कर रहे हैं। उसके परिवार की किसी से कोई रंजिश भी नहीं थी। पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और शीघ्र ही घटना का खुलासा करने की बात कही। वहीं जब पुलिस ने घटनास्थल पर लोगों से बात की, तो किसी ने ठीक से जवाब नहीं दिया। कई लोगों ने कहा कि उन्होंने कुछ नहीं देखा।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने पेश किया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे प्रतिष्ठित फंड हाउसों में से एक एलआईसी म्यूचुअल फंड एलआईसी एमएफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड पेश कर रहा है। यह एक ओपन-एंडेड योजना है, जो इक्विटी, डेट और सोने में निवेश करेगी। इसका नया फंड ऑफर (एनएफओ) 24 जनवरी 2025 को खुलेगा और 07 फरवरी 2025 को बंद होगा। योजना का निवेश उद्देश्य इक्विटी और इक्विटी से संबंधित साधनों, डेट और मनी मार्केट के साधनों तथा सोने के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट में निवेश कर पूंजी में दीर्घकालिक वृद्धि करना है। योजना का बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई का 65 फीसदी, निफ्टी कंपोजिट डेट इंडेक्स का 25 फीसदी और घरेलू सोने की कीमत का 10 फीसदी होगा। इस योजना के फंड मैनेजर निखिल रुंगटा, सुमित भटनागर और प्रतीक श्रॉफ होंगे। योजना 18 फरवरी 2025 को लगातार बिक्री और फिर से खरीद के लिए दोबारा खुलेगी। एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के. झा ने एनएफओ के बारे में कहा,मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड आजकल बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि ये एक ही जगह पर निवेश के जोखिम को कम करते हैं और परिसंपत्तियों का बेहतर डायवर्सिफिकेशन सुनिश्चित करते हैं। एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के सह-मुख्य निवेश अधिकारी (इक्विटी) निखिल रुंगटा ने कहा, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड एक ऐसा समाधान है, जो इक्विटी की वृद्धि की ताकत, डेट की आय उत्पन्न करने की क्षमता और कमोडिटीज के लचीलेपन को एक साथ लाता है।

मकान में चल रही थी असलाह फैक्टरी, दो गिरफ्तार

सहारनपुर (उत्तरशक्ति)। सहारनपुर के देवबंद थाना क्षेत्र के तैय्यबपुर बडा गांव में पुलिस ने असलाह फैक्टरी का भंडाफोड किया है। मकान के अंदर फैक्टरी चल रही थी। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। कई देशी तमंचे, रिवाल्वर समेत हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए गए। आरोपी पांच से 10 हजार रुपये में तमंचे और देशी रिवाल्वर बेच देते थे। एसपी देहात सागर जैन ने प्रेसवार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि देवबंद पुलिस ने 23 जनवरी को तमंचे के साथ कोटला निवासी आसिफ को पकड़ा था। पूछताछ में बताया कि वह तैय्यबपुर बडा गांव से तमंचा खरीदकर लाया था।

भूमि विवाद में किसान की धारदार हथियार से हत्या

अंबेडकरनगर। टांडा कोतवाली के बलया जगदीशपुर निवासी किसान अजय सिंह (38) की बुधवार रात भूमि विवाद को लेकर धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार सुबह उनका शव गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर बरहा नहर में पड़ा मिला। अजय की पत्नी की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया, इनमें से एक आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। बलया जगदीशपुर के अजय खेती करके परिवार का भरण पोषण करते थे। उनकी पहाड़पुर केशवपुर में भी जमीन है, जिसके एग्रीमेंट को लेकर कुछ लोग उनके पीछे पड़े थे। बुधवार शाम करीब पांच बजे वह ई रिक्शा से घर से बरहा बाजार के लिए निकले थे। दो घंटे बीत जाने के बाद भी अजय वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। पूरी रात तलाश के बाद भी उनका कहीं पता नहीं चला। बृहस्पतिवार सुबह लगभग छह बजे बरहा गांव के प्रधान गोविंद लाल ने अजय का शव नहर में पड़ा देखा तो फोन करके उनके परिजनों को सूचना दी। कुछ ही देर में वहां टांडा पुलिस पहुंच गई और अजय के शव को नहर से बाहर निकाला गया। अजय के सिर के पिछले हिस्से और गले में चोट के गहरे निशान मिले हैं। घाव को देखकर धारदार हथियार से वार कर हत्या करने का अंदेशा है। अजय की पत्नी प्रतिमा सिंह ने पहाड़पुर केशवपुर के विकास शर्मा, राकेश यादव व एक अन्य पर हत्या का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक ये तीनों पहाड़पुर केशवपुर की जमीन का जबरन एग्रीमेंट कराना चाहते थे, जिसके लिए उनके पति राजी नहीं थे। एक हत्यारोपी पुलिस की गिरफ्त में है। दो अन्य की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने चार टीमें लगाई हैं। अजय माता-पिता की अकेली संतान थे। उन्हीं के ऊपर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। पत्नी प्रतिमा सिंह के अलावा परिवार में दो बेटे अभिषेक (13) और समर सिंह (10) हैं। अजय की मौत के बाद परिवार टूट गया है। दोनों बेटे और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस को घटनास्थल के आसपास बुधवार रात कई मोबाइल सक्रिय मिले हैं। इन सभी नंबरों की डिटेल खंगाली जा रही है। इसका सीडीआर मंगाया गया है। मृतक के करीबियों व परिजनों के नंबरों की भी जांच कराई जा रही है।

श्रीराम सेवा समिति की तरफ से भव्य श्रीराम उत्सव संपन्न

मुंबई। श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ पर विक्रोली स्थित रामभजन कंपाउंड में भव्य सुंदर कांड का पाठ एवं भजन-संध्या के रूप श्रीराम उत्सव 22 जनवरी को मनाया गया। जिसमें सत्य सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहन जोशी गुरुजी, लोकेंद्र ओझा, गोविंद भाई ज्ञानेंद्र शुक्ला, राजकुमार पांडे, सूर्यकुमार तिवारी, पवन प्रजापति ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी और सदस्यों ने प्रभु श्री रामचंद्र जी का आशीर्वाद लिया। भजन गायक सतेंद्र पांडे और उनकी टीम ने अपने मधुर आवाज से सारे माहौल को राम मय कर दिया। समिति के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने हिंदुओं को एकजुट होने का आवाहन किया। मोहन जोशी श्री बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री जी के प्रथम शिष्य हैं। प्रदीप चौहान, गौरव शुक्ला, विशाल जाधव, सुनील चौहान, आशीष सोनार, अमित थापियाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। यह जानकारी श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष संदीप शुक्ला (बाबा बजरंगी) ने दी।

मौनी अमावस्या पर चलेंगी आठ हजार बसें, 150 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। महाकुंभ के सबसे बड़े अमृत स्नान मौनी अमावस्या को लेकर रेलवे और यूपी परिवहन निगम ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। अमृत स्नान पर जहां निगम आठ हजार बसों का संचालन करेगा, वहीं रेलवे 150 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाएगा।

रेलवे प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, नैनी, प्रयाग, रामबाग से स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी में है। वहीं, यूपी रोडवेज के रिकॉर्ड आठ हजार बसों में से सात हजार को आवाजाही प्रदेश के सभी जिलों में होगी। एक हजार बसें रिजर्व में रखी जाएंगी। जरूरत के हिसाब से उनका इस्तेमाल होगा। शुक्रवार को डीआरएम प्रयागराज हिमांशु बडोनी ने बताया कि प्रयागराज में तीन जोनल रेलवे के आठ स्टेशनों से 150 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। रूटीन की ट्रेनों को शामिल कर लिया जाए तो यह संख्या 400 के पार होगी। डीआरएम ने बताया कि 13 जनवरी से 23 जनवरी तक 950 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। बताया कि मकर संक्रांति पर रेलवे ने ऑन-डिमांड 134 ट्रेनों का संचालन किया है।

मौनी अमावस्या के लिए इस बार अधिक ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसी वजह से अलग-अलग तिथि में लंबी दूरी की कुल 58 ट्रेनों को निरस्त किया गया है। प्रयागराज आने वाली 28 ट्रेनें छिवकी रेलवे स्टेशन पर शिफ्ट की गई हैं।

मौनी अमावस्या पर एनाउंसमेंट के जरिये मेला क्षेत्र के श्रद्धालुओं को स्टेशन व रूट पर ट्रेनों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रशासन की मदद से चौराहों पर एनाउंसमेंट किया जाएगा। महाकुंभ से जुड़े सभी रेलवे स्टेशनों पर इस व्यवस्था का पालन होगा ताकि भीड़ का समान वितरण हो सके। महाकुंभ में 11 जनवरी से 23 जनवरी के मध्य अब तक 13.20 यात्रियों ने सफर किया। यह आंकड़े प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, सूबेदारगंज एवं नैनी स्टेशन से अनारक्षित एवं आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के हैं। इस अवधि में रेलवे प्रशासन को 71.28 करोड़ रुपये की आय हुई। सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि 2019 कुंभ के दौरान इस अवधि में 6.48 लाख यात्रियों ने सफर किया था। तब रेलवे को 21.88 करोड़ रुपये की आय हुई थी। डीआरएम प्रयागराज ने बताया कि अगर मौनी अमावस्या पर जंक्शन पर भीड़ बढ़ती है तो खुसरो बाग में बनाए गए आश्रय स्थल पर यात्रियों को रोका जाएगा। वहां भी इस्कॉन की ओर से यात्रियों को भोजन भी उपलब्ध करवाया जाएगा। कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 25 अतिरिक्त रेक सहित कुल 200 रेकों की व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज के तमाम स्टेशनों पर ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों को रेलवे द्वारा पंफलेट वितरित किया जाएगा। इस पंफलेट पर सभी स्टेशनों से चलने वाली ट्रेनों का रूट व वहां पहुंचने के मार्ग की जानकारी रहेगी। मौनी अमावस्या पर अगर सूबेदारगंज स्टेशन पर भीड़ बढ़ती है तो यात्री सुविधा के मद्देनजर स्टेशन के आसपास 150 बसों का इंतजाम रहेगा। सूबेदारगंज प्लेटफॉर्म छह की तरफ 30 बसें, प्लेटफॉर्म नंबर एक की तरफ 40 बसें और डीएफसी ग्राउंड पर 80 बसें इमरजेंसी प्लान के तहत खड़ी रहेंगी।

वार्षिकोत्सव में कई भामाशाहों व प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

चिराना। कस्बे में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव,पुरस्कार वितरण एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि नवलगढ़ क्षेत्र के समाजसेवी गिरधारी लाल इंदोरिया रहें। बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में रामावतार गुप्ता,शिंभू दयाल शर्मा,डा.राजेंद्र कुमावत, त्रिलोक सिंह शेखावत,लोकतंत्र सेनानी गोवर्धन सिंह शेखावत,बैंक मैनेजर विजय सिंह राजावत,अभिमन्यु शेखावत,(मोटी) समाजसेवी बाबूलाल सैनी,श्री राम जांगिड़, विनोद पारीक,अनिल गुप्ता,आशाकरण सिंह, प्रधानाध्यापक मोती लाल सैनी, रीजनल कॉलेज के प्रिंसिपल जयदेव सैनी, सेवानिवृत वैध चंद्रकांत गौतम,जितेंद्र सैन रहे। कार्यक्रम में अतिथियों,भामाशाहों व प्रतिभावान विद्यार्थियों का माला, मेंडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीच बीच में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक व देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रधानाचार्या सुरभि गुप्ता ने पधारे हुए अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा इस बार उपस्थित भामाशाहों ने दिल खोल कर दिलेरी दिखाई उम्मीद करती इस प्रकार का सहयोग विद्यालय परिवार को सदैव मिलता रहेगा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन सुआलाल कांटीवाल ने किया।

गणतंत्र दिवस से पहले संभल की शाही जामा मस्जिद बांटे तिरंगा

संभल(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के बाद नमाजियों ने एकता एवं अखंडता का संदेश देने के लिए तिरंगा बांटा और गणतंत्र दिवस को सद्भाव से मनाने का संकल्प लिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया, शाही जामा मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के बाद नमाजियों ने एक-दूसरे को तिरंगा बांटकर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने शांति और सद्भाव से रहने का संकल्प भी लिया।

नमाज में शामिल सैयद अख्तर ने कहा कि गणतंत्र दिवस करीब आने के मद्देनजर नमाजियों ने मस्जिद के गेट पर तिरंगा बांटा, ताकि सभी को ईद, होली और दिवाली की तरह इस अवसर को भी हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। अख्तर ने कहा, हम लोगों से अपने घरों, दुकानों और कार्यालयों पर तिरंगा फहराने का आग्रह करते हैं, क्योंकि यह हमारे राष्ट्र के गौरव और सम्मान का प्रतिनिधित्व करता है।

नमाज में हिस्सा लेने वाले मोहम्मद नाजिम सैफी ने कहा, हम 1950 में हमारे संविधान को अपनाए जाने की याद में राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया, जो हमारे इतिहास का एक ऐतिहासिक क्षण था। हम लोगों से अपने घर, दुकान और दफ्तर पर तिरंगा फहराने का आग्रह करते हैं। एक अन्य नमाजी हाजी एहतेशाम अहमद ने कहा, 26 जनवरी वह दिन है, जब हमें अपना संविधान प्राप्त हुआ था। हर नागरिक को इसकी रक्षा करनी चाहिए। हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ आना चाहिए और इस दिन को खुशी के साथ मनाना चाहिए।

अहमद ने कहा,आज मस्जिद में नमाजियों ने शांति, सद्भाव, एकता और हमारे देश की अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया। पिछले साल 24 नवंबर को संभल के कोट गर्वी इलाके में स्थित शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर किए जा रहे सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

आठ दिन से बिजली गुल, उपभोक्ताओं का हंगामा

बाराबंकी। जैदपुर बिजली उपकेंद्र से जुड़े रानीगंज फीडर के टांडपुरवा गांव में बीते आठ दिन से व्याप्त बिजली संकट से नाराज उपभोक्ताओं ने बुधवार को पावर हाउस पहुंच कर हंगामा किया। नाराज उपभोक्ताओं ने शिकायत के बाद भी समस्या दूर न होने पर मौजूद एसडीओ को अपनी मांग का ज्ञापन सौंपते हुए चेताया कि सुनवाई न होने पर क्षेत्रीय लोग धरना प्रदर्शन को विवश होंगे। रानीगंज फीडर के टांडपुरवा गांव में बीते 14 जनवरी को एक लकड़ी ठेकेदार बाग में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ कटवा रहा था। इसी दौरान एक पेड़ समीप से गुजर रही 11 हजार एचटी लाइन के तार पर टूट कर गिर गया।

स्काई फोर्स में डेब्यू के साथ वीर पहाड़िया ने जीता समीक्षकों का दिल

पटना(उत्तरशक्ति)। अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म स्काई फोर्स सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली यह फिल्म बतौर अभिनेता वीर पहाड़िया की पहली फिल्म थी। अभिनेता फिल्म में टी विजया उर्फ टोडी की भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो स्क्वाड्रन लीडर अज्जमदा बोप्पया देवय्या से प्रेरित है। महावीर चक्र से नवाजे गए देवय्या को 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान दुश्मन के जेट विमानों के खिलाफ उनकी वीरता और प्रतिष्ठित डॉगफाइट के लिए याद किया जाता है। देवय्या के जीवन को स्क्रीन पर सहजता से निभाने वाले वीर पहाड़िया को अपार प्रशंसा मिल रही है। एक समीक्षक ने वीर पहाड़िया के अभिनय को विस्फोटक कहा तो एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा किया कि पहाड़िया की शुरूआत अभूतपूर्व है जैसे ह्यकहो ना प्यार है में ऋतिक रोशन की थी। पहाड़िया की ऑन-स्क्रीन मौजूदगी और उनके अभिनय ने उन्हें बी-टाउन यानि बॉलीवुड के सबसे नए स्टार के रूप में स्थापित करने का काम किया है। हाल ही में, पहाड़िया ने कहा कि स्काई फोर्स उनके लिए करियर की शुरूआत से कहीं अधिक है। उन्होंने बताया कि, ह्यस्काई फोर्स में काम करने के अनुभव ने मुझे समय के अनुरूप क्षमतावान और सहयोग करना सिखाया है। स्काई फोर्स में पहाड़िया ने अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन साझा किया है। फिल्म समीक्षकों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने वाले पहाड़िया के अभिनय की सराहना इसलिए भी की जा रही है क्योंकि बतौर न्यू कमर अभिनेता पहाड़िया ने अनुभवी अभिनेता अक्षय कुमार के सामने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिया है। एक समीक्षा ने तो यहाँ तक कह दिया गया कि, 'इस फिल्म का मुख्य किरदार अक्षय कुमार को नहीं, बल्कि वीर पहाड़िया को होना चाहिए था।' फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के अलावा सारा अली खान और निम्रत कौर भी हैं।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद छात्रा की हत्या का आरोप

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। जैतपुर थाना क्षेत्र में करीब 20 दिन पहले छात्रा की हुई मौत के मामले में दो सगे भाइयों समेत चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर शव फंदे से शव लटकाने का आरोप है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। जैतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को पुलिस तहरीर दी। बताया कि उसका सृष्टि शुक्ला व सौरभ शुक्ला से भूमि विवाद चल रहा है। सृष्टि के कहने पर मनीष शुक्ला ने उनकी बेटी को वरगलाकर प्रेमजाल में फंसाया और फिर अवैध संबंध बना लिए।

सृष्टि ने इसका वीडियो व फोटो बना लिया। इसके बाद सृष्टि ने अपने भाई सौरभ शुक्ला के अलावा राहुल तिवारी को अश्लील वीडियो दे दिया। इसके बाद सौरभ शुक्ला, राहुल तिवारी, मनीष शुक्ला ने अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद भी अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देते रहे।